Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi

Ranchi ● Friday, 21 July 2023 ● Year : 01 ● Issue : 185 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

उस ज्ञान का कोई लाभ नहीं जो समाज के हित में ना हो।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की की ट्यूशन

SHARE

सेंसेक्स	:	67,571.90
निफ्टी	:	19,979.15

SARAFA

सोना	:	5,715
चांदी	:	82.04

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नेतरहाट में नक्सलियों ने 5 ग्रामीणों की जमकर की पिटाई, एक की मौत

LATEHAR : लातेहार जिला अंतर्गत महुआडांड प्रखंड के नेतरहाट थाना क्षेत्र स्थित दौना गांव में भाकपा माओवादियों ने पुलिस की मुखबीरी करने के आरोप में पांच ग्रामीणों की जमकर पीटाई की। इस पिटाई में जहां 38 वर्षीय देव कुमार प्रजापति पिता खीजहर प्रजापति की मौत हो गयी, वहीं 38 वर्षीय भूषण मुंडा पिता मुन्ना मुंडा, 40 वर्षीय मनराज प्रजापति (40), दुरूप पंचायत के पूरनाडीह गांव निवासी 35 वर्षीय बबलू अंसारी पिता स्वर्गीय अब्दुल अंसारी और 55 वर्षीय पत्ति बृजिया पिता स्वर्गीय ठीभू बृजिया माओवदियों की पीटाई से घायल हो गये हैं। माओवादियों ने सभी पर पुलिस की मुखबिरी करने आरोप लगाया है। ग्रामीणों की पिटाई करने के बाद माओवादियों ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय, दौना के दीवार पर पुलिस मुखबिरी, दलाली एवं एसपीओ का काम छोड़ दो का नारा लिख कर ग्रामीणों को चेतावनी दी है।

कैबिनेट की बैठक 25 जुलाई को

RANCHI : राज्य मंत्री परिषद की बैठक 25 जुलाई को आहूत होगी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में शाम 4:00 बजे से मंगलवार को प्रोजेक्ट भवन में होने वाली इस बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जायेंगे। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने कैबिनेट की बैठक की जानकारी देते हुए सभी विभागों से कैबिनेट के लिए प्रस्ताव मांगा है।

मुंबई में तीन मंजिली इमारत गिरी, चार घायल

MUMBAI : मुंबई से सटे भायंदर शहर में गुरुवार को तीन मंजिली इमारत अचानक ढह जाने से चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल भायंदर स्थित पंडित भीमसेन जोशी (टेंभा) अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर फायर ब्रिगेड के जवान तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत व बचाव अभियान चलाया। यह जानकारी उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने गुरुवार को विधानसभा में दी। पवार ने सदन में बताया कि गुरुवार को भायंदर पूर्व में स्थित नवकीर्ति इमारत का एक हिस्सा अचानक ढह गया। इस घटना में इंद्रजीत शर्मा, जॉर्ज फर्नांडिस, हरिशंकर मौर्य, आबिद अली घायल हो गए हैं।

सुरक्षाबलों ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 12 करोड़ की हेरोइन की जब्त

JAISALMER : सीमा सुरक्षा बल के जवानों ने बुधवार रात रायसिंहनगर, सेक्टर श्रीगंगानगर से लगी भारत-पाकिस्तान अन्तरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की ओर से आ रहे ड्रोन को फायरिंग कर मार गिराया। गुरुवार सुबह सघन जांच के दौरान इलाके से तीन पैकेट्स हेरोइन एवं एक पाकिस्तानी ड्रोन बरामद किया गया। बीएसएफ राजस्थान फ्रंटियर के अधिकृत सूत्रों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार इस ऑपरेशन के तहत लगभग 2.3 किलोग्राम वजन की तीन पैकेट्स हेरोइन बरामद की गयी, जिसकी कीमत अन्तरराष्ट्रीय बाजार में लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गयी है। सीमा सुरक्षा बल द्वारा बरामद हेरोइन की विस्तृत जांच के लिए सम्बधित एजेंसी को सुपुर्द किया जायेगा।

शर्मनाक! शर्मनाक!! शर्मनाक!!! मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर सड़कों पर दौड़ाया

वीडियो वायरल होने के बाद राज्य में तनाव, एक्शन में सरकार, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

AGENCY IMPHAL : मणिपुर में हालात और खराब होते जा रहे हैं। दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने का वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद राज्य के पहाड़ी क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया। चार मई के इस वीडियो में दिख रहा है कि अन्य पक्ष के कुछ व्यक्ति एक समुदाय की दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड करा रहे हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद सरकार ने सख्त आदेश जारी किया है। इधर इस मामले को लेकर कांग्रेस ने केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर जमकर हमला किया है। सरकार ने ट्विटर और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को आदेश जारी कर दो मणिपुरी महिलाओं को नग्न घुमाने के वायरल वीडियो को शेयर न करने का निर्देश दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के लिए भारतीय कानूनों का पालन करना अनिवार्य है क्योंकि मामले की अभी जांच चल रही है। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने वाला वीडियो वायरल होने के बाद बवाल शुरू हो चुका है। कांग्रेस सहित सभी विपक्षी पार्टियों ने सरकार को घेरा है और प्रधानमंत्री मोदी से जवाब मांगा है। इधर पुलिस ने मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुए अमानवीय व्यवहार को लेकर सख्त कार्रवाई करने की बात कही है।

मणिपुर में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाते लोग व इनसेट में गिरफ्तार आरोपी ● एजेंसी

घटना से बेहद दुखी हूं, 140 करोड़ भारतीय शर्मसार : पीएम

NEW DELHI : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले पत्रकारों से बातचीत में मणिपुर में दो महिलाओं के साथ हुई अभद्रता की घटना को शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा कि यह भले कुछ लोगों का कृत्य हो पर इसने देश के 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार किया है। वह देश को लोगों को भरोसा दिलाना चाहते हैं कि इसके आरोपितों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि वे इस घटना को लेकर बहुत ज्यादा दुखी और अक्रोशित है। उन्होंने सभी मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे अपने राज्य में कानून व्यवस्था को और मजबूत करें। विशेष रूप से हमारी माताओं और बहनों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाएं।

सरकार कदम उठाए वरना हम ACTION लेंगे : सुप्रीम कोर्ट

NEW DELHI : मणिपुर वीडियो मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और मणिपुर सरकार से यह कहा है कि वे यह बताये कि उन्होंने अपराधियों को सजा दिलाने के लिए क्या कार्रवाई की। सुपीम कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया में जो वीडियो वायरल है वह घोर आपत्तिजनक है और उसमें संविधान की अवज्ञा की गयी है। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने

कहा कि वह मणिपुर में दो महिलाओं को नग्न घुमाने के कल सामने आये वीडियो से वास्तव में परेशान हैं। सीजेआई ने कहा कि इस तरह का कृत्य बिल्कुल अस्वीकार्य है। सांप्रदायिक झगड़े की आड़ में महिलाओं को प्रताड़ित करने की कोशिश बर्दाश्त नहीं की जायेगी। कोर्ट ने कहा कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करेगी तो हम करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अब समय आ गया है कि सरकार वास्तव में कदम उठाये और कार्रवाई करे।

मणिपुर पर सरकार से जवाब मांगेगा 'इंडिया': कांग्रेस

NEW DELHI : कांग्रेस ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराए जाने से संबंधित वीडियो को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा और कहा कि आज संसद का मानसून सत्र में विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव एलायंस (इंडिया) इस विषय पर सरकार से जवाब मांगेगा। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि मणिपुर के मामले पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी 'चुप्पी' तोड़नी चाहिए। जयराम रमेश ने ट्वीट किया, मणिपुर में बड़े पैमाने पर जातीय हिंसा भड़के 78 दिन हो गए हैं। उस भयावह घटना को बीते 77 दिन हो गए हैं जिसमें दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया और उनके साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया। अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज किए जाने के 63 दिन बाद भी अपराधी अभी तक फरार हैं। उन्होंने दावा किया कि मणिपुर में इंटरनेट सेवा पर प्रतिबंध के कारण शेष भारत को इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मणिपुर में इतनी भयानक घटना घटी।

लोहरदगा में NIA की छापेमारी, ISIS से जुड़ा आतंकी धराया, भेजा गया जेल

गिरफ्तार फैजान इंजीनियरिंग का छात्र, वीडियो क्लिप-पेन ड्राइव बरामद

CRIME REPORTER RANCHI : पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआईएस के लिए काम कर रहे झारखंड के लोहरदगा के युवक फैजान अंसारी को आतंकवादी गतिविधि में संलिप्त पाने और उसे बढ़ावा देने के आरोप में एनआईए ने गुरुवार को उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। भारी सुरक्षा के बीच लोहरदगा से उसे रांची लाया गया और एनआईए की विशेष अदालत में पेश किया गया। इसके बाद उसे जेल भेज दिया गया। जांच एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय ट्रांजेक्शन से फैजान पर शक हुआ। इसके बाद उसकी गिरफ्तारी की गयी। इसके पास से कई

एनआईए की विशेष अदालत में पेशी के लिए फैजान को ले जाती पुलिस।

वीडियो क्लिप, पेन ड्राइव के साथ पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी से संपर्क के कई सबूत मिले हैं। इस पर आरोप है ये कई युवकों को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल करने के लिए कार्य कर रहा था। दिल्ली पुलिस, आईबी और एनआईए की संयुक्त कार्रवाई में लोहरदगा जिले के शहरी क्षेत्र स्थित न्यू रोड मिल्लत कॉलोनी से आतंकी संगठन आईएसआईएस से जुड़े फैजान अंसारी को गिरफ्तार किया गया। पिछले 16 जुलाई से गिरफ्तार कर जांच एजेंसी लोहरदगा परिसदन में लगातार उससे पूछताछ कर रही थी।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का है छात्र

लोहरदगा से गिरफ्तार युवक की पहचान शहरी क्षेत्र के न्यू रोड निवासी फैजान अंसारी के रूप में हुई है। युवक की उम्र 21 वर्ष है और वह अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग का छात्र है। युवक फैजान अंसारी पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के संपर्क में होने की बात सामने आ रही है। इसके साथ-साथ इस्लामिक स्टेट के भी संपर्क में युवक था। केंद्रीय एजेंसी फैजान से पूछताछ कर रही है। पुलिस को फैजान के खिलाफ आतंकवादी गतिविधि और क्षेत्र में आतंकवाद फैलाने के कई सबूत भी हाथ लगे हैं। इस गिरफ्तारी के बाद लोहरदगा जिले में और कई संदिग्ध पर जांच एजेंसियों की नजर है। जल्द ही और कई लोगों की गिरफ्तारी होने की बात कही जा रही है। हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि पुलिस की ओर से नहीं की गयी है।

महागठबंधन के नये नाम 'INDIA' की ECI से शिकायत

RANCHI : महागठबंधन के नए नाम इंडिया शब्द को लेकर विवाद शुरू हो गया है। रांची के रहने वाले सामाजिक कार्यकर्ता पंकज कुमार यादव ने भारत निर्वाचन आयोग को पत्र लिखकर इंडिया शब्द के राजनीतिक प्रयोग को असंवैधानिक कहा है। लिखा है, यह शब्द करोड़ों देशवासियों की भावनाओं से जुड़ा है। वहीं उन्होंने इस नाम को असंवैधानिक करार देते हुए इसे द एंब्लम्स एंड नेमस (प्रिवेंशन ऑफ इंप्रोपर यूज) धारा 1950 का उल्लंघन भी बताया है। इस पत्र पर भारत निर्वाचन आयोग ने संज्ञान भी ले लिया है और पंकज कुमार यादव से इस संबंध में कंसर्न मांगा है। पंकज कुमार यादव ने बताया कि इंडिया शब्द भारतीयों के सम्मान से जुड़ा है, ऐसे में राजनैतिक प्रयोग से इस शब्द के खिलाफ बयानबाजी भी होगी, जो भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा।

जमीन घोटाले व अवैध खनन में FIR दर्ज हो ED ने की सिफारिश

CRIME REPORTER RANCHI : प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने गुरुवार को झारखंड सरकार के साथ जमीन घोटाला और 1000 के करोड़ अवैध खनन की जांच रिपोर्ट साझा की। इन दोनों मामलों में ईडी के द्वारा आरोप पत्र दायर किए गए हैं। इसमें आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की सिफारिश की गई है। ईडी ने झारखंड सरकार से पीएमएलए अधिनियम की धारा 66 के तहत इसकी सिफारिश की है। ईडी ने झारखंड सरकार को लिखे अपने पत्र में कहा है, कि इन मामलों में आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड कानून (आईपीसी) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करके भी कार्रवाई की जा सकती है। अवैध खनन घोटाले में मुख्य आरोपी पंकज मिश्रा और प्रेम प्रकाश हैं, जबकि रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन और व्यवसायी अमित अग्रवाल सहित अन्य लोग रांची भूमि घोटाले में आरोपी हैं। यह पांचवां मामला है जिसमें ईडी ने झारखंड सरकार से आईपीसी के तहत एफआईआर दर्ज करने की सिफारिश की है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने कहा है कि एजेंसी को इन मामलों में पर्याप्त सबूत मिले हैं और आईपीसी के तहत भी इनकी जांच करना राज्य के हित में होगी।

जमीन जब्त करने के दिए गए तर्क को किया साझा

ईडी ने राज्य सरकार के साथ सेना द्वारा कब्जा की गई जमीन और बजरा मौजा की जमीन को जब्त करने की जानकारी भी साझा की है। भूमि घोटाले में जालसाजी से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। वहीं, अवैध खनन के मामले में खनन अधिनियम समेत विभिन्न धाराएं लगाये जाने के भी पर्याप्त साक्ष्य हैं। दोनों मामलों में, अब तक की जांच रिपोर्ट राज्य के हित में है, ह्वईडी ने कहा है। ईडी ने भूमि घोटाले में सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ और बजरा की 7.16 एकड़ जमीन जब्त करने के दिए गए तर्क को सरकार से साझा किया है। ईडी ने राज्य सरकार को यह भी बताया है कि फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले अफसर अली ने रांची के विभिन्न इलाकों में करीब 150 एकड़ जमीन फर्जी दस्तावेज बनाकर बेची है।

ये हो चुकें हैं गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों में सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, खरीददार जगतबंधु टी इस्टेट का संचालक दिलीप घोष, दिलीप घोष का सहयोगी व्यवसायी अमित अग्रवाल, जमीन दलाल अफसर अली उर्फ अप्सू खान, इम्तियाज अली, तल्हा खान, मोहम्मद सद्दाम, फैय्याज खान, भरत प्रसाद व राजेश राय शामिल हैं। इन पर आपसी सहयोग से, मिल-जुलकर जमीन सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से मूल दस्तावेज में हेराफेरी करने, जमीन का जाली कागजात तैयार कर उसे बेचने आदि के मामले की पुष्टि हो चुकी है।

सीएम ने कहा- बनेगा स्ट्रांग हेल्थ सर्किट, जिलों में शुरू होगी हेल्थ केयर सर्विसेज

राज्य में स्वास्थ्य सुविधा को दुरुस्त करने में जुटे हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सरकार इनदिनों विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार 20 जुलाई, 2023 को स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा और परिवार कल्याण विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को कई अहम निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इसके लिए जो भी संसाधन की जरूरत होगी, सरकार उसे मुहैया कराएगी। साथ ही कहा कि राज्य में स्ट्रांग हेल्थ सर्किट बनाने बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। यहां के अस्पतालों में जांच और इलाज की बेहतर और आधुनिक सुविधाएं सुनिश्चित की जाए, ताकि

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

मरीजों को दूसरे राज्यों के बड़े अस्पतालों का रूख नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी प्रमंडल के सदर अस्पतालों में इलाज और जांच की अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त 247 हेल्थ केयर सर्विसेज शुरू करने का निर्देश दिया। इसकी शुरूआत दुमका से होगी। 300 बिस्तर की क्षमता वाले इस अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों के साथ-साथ जांच- इलाज के सभी अत्याधुनिक संसाधन होंगे। सर्विसेज होगी। उन्होंने कहा कि राज्य वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिले, इसके लिए चिकित्सकों और अन्य पारा मेडिकल कर्मियों की नियुक्ति में तेजी लाने का निर्देश दिया। कहा कि आवश्यकतानुसार अनुबंध पर भी चिकित्सकों को नियुक्त करें, ताकि किसी भी परिस्थिति में स्वास्थ्य व्यवस्था प्रभावित नहीं हो।

आयुष्मान भारत के मरीजों के इलाज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : मुख्यमंत्री

सीएम ने कहा कि आयुष्मान भारत के तहत मरीजों के इलाज में अस्पतालों द्वारा कोताही बरतने की बात लगातार सामने आ रही है। यह उचित नहीं है। कहा कि आयुष्मान भारत के तहत अस्पतालों के लंबित राशि का भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित करें, ताकि मरीजों के इलाज में अस्पताल कोताही नहीं बरतें। साथ ही कहा कि मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी योजना के तहत इलाज की पात्रता के लिए आयुष्मान कार्ड और राशन कार्ड अगर किसी के पास नहीं है, तो आठ लाख रुपये से कम वार्षिक आय वालों को भी इस श्रेणी में शामिल किया जाये। मेडिकल कॉलेजों में हो रहे निर्माण में देरी पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जतायी। कहा कि राज्य के मेडिकल कॉलेजों में कई वर्षों से निर्माण कार्य चल रहा है इसमें पहले ही से काफी विलंब हो चुका है।

BRIEF NEWS

बीएलओ व सुपरवाइजरों को दिया गया प्रशिक्षण

DHANBAD: मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण को लेकर गुरुवार 20 जुलाई को धनबाद प्रखंड कार्यालय में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने एसएसआर -2024 के अहम बिंदुओं पर सभी बीएलओ व सुपरवाइजरों को पन्ना सत्यापन, घर घर जाकर मतदाता सूची का सत्यापन, फार्म 6, 7, 8, के संदर्भ में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत चुनाव पाठशाला, वोटर अवेयरनेस फोरम आदि के गठन के बारे में भी विस्तार से समझाया।

कांग्रेस नेताओं ने किया पीएम मोदी का पुतला दहन

LATEHAR: लातेहार के समाहरणालय मोड़ पर कांग्रेसियों ने मणिपुर हिंसा के खिलाफ पीएम का पुतला दहन किया। जिला अध्यक्ष मुनेश्वर उरांव के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम की अध्यक्षता साजन कुमार ने किया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश प्रतिनिधि पंकज तिवारी ने कहा कि पिछले दो महीने से मणिपुर जातीय हिंसा की आग में जल रहा है. बावजूद देश के प्रधानमंत्री व गृह मंत्री मूक दर्शक बने हुए हैं। केंद्र सरकार व राज्य सरकार इस घटना को रोकने में पूरी तरह से फेल है. इस दौरान कांग्रेस के नेताओं ने मणिपुर के मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की। ये रहे मौजूद मौके पर अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष सलाम अंसारी, हेरहंज प्रखंड अध्यक्ष लाडले खान, बरवाडीह प्रखंड अध्यक्ष प्रिंस गुप्ता, युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमित कुमार यादव, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, युवा विधानसभा उपाध्यक्ष संतोष रजक, इमरान अंसारी, विजेंद्र उरांव, साजिद अंसारी, ज्योति प्रकाश दुबे, सरकस उरांव, मनोज पासवान व सोनू जायसवाल समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल थे।

पलायन रोकने की जगह मजदूरों का प्रोडक्शन कर रही है झारखंड सरकार : ढुल्लू

DHANBAD : झारखंड के प्रवासी मजदूरों के लिए महाराष्ट्र में झारखंड सेंटर खोले जाने के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एलान पर बाघमारा के भाजपा विधायक ढुल्लू महतो ने सीएम हेमंत सोरेन को आड़े हाथों लिया है. गुरुवार 20 जुलाई को सर्किट हाउस में प्रेस-कॉन्फ्रेंस करते हुए ढुल्लू महतो ने मुख्यमंत्री पर एक के बाद एक कई हमले किये। ढुल्लू ने कहा कि सरकार का मुखिया प्रदेश में पलायन रोकने के बजाय यहां के मजदूरों को बाहर भेजने की बात कर रहा है. सीएम चाहते हैं कि यहां के लोग बाहर के हराज्यों मे जाकर काम करें और महामारी जैसे हालात ने पर वहां से भगा दिये जाएं। ऐसे मुख्यमंत्री से राज्य का कभी भला नहीं हो सकता। मजदूरों के प्रोडक्शन का काम कर रही है झारखंड सरकार ढुल्लू महतो ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन ने पलायन को रोकने के लिए एक साल में पांच लाख नौकरी देने का वादा किया था। लेकिन यहां सरकार बाहर भेजने के लिए राज्य में मजदूरों का प्रोडक्शन का काम कर रही है।

अवैध खनन में हुई हजारों मौतें

विधायक ढुल्लू महतो ने कहा कि अवैध खनन के दौरान हजारों मजदूरों की मौत हो गई है. केंद्र सरकार से इसकी जांच की मांग करेंगे। कहा कि हेमंत सरकार में जमकर लूट मची हुई है. इस लूट को जनता के सामने लाने का काम करेंगे। कहा कि देश में सबसे बड़ा घोटाला धनबाद में हुआ है. बालू और कोयला की लूट का अंदाजा लगा पाना मुश्किल है।

मणिपुर घटना के लिए सीधे तौर पर मोदी, अमित शाह और डबल इंजन सरकार जिम्मेवार : झामुमो

वायरल वीडियो पर झामुमो का भाजपा पर तीखा प्रहार, बतया महिला अत्याचारी, व्यभिचारी और आदिवासी विरोधी पार्टी

केंद्र सरकार में जरा भी शर्म बची है तो तत्काल मणिपुर के सीएम को बर्खास्त करे और उन पर हत्या का मुकदमा दायर हो

PHOTON NEWS RANCHI : झामुमो ने मणिपुर में दो आदिवासी महिलाओं को निःवस्त्र कर उसे मारने-पीटने और शारीरिक छेड़छाड़ को लेकर जारी वीडियो पर झामुमो ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और मणिपुर की डबल इंजन सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेवार ठहराया है। झामुमो ने भाजपा को महिला अत्याचारी, व्यभिचारी और आदिवासी विरोधी पार्टी करार दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने गुरुवार को पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि संसद सत्र शुरू होने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आठ मिनट तक मीडिया से एकतरफा रूबरू हुए। जिसमें सात मिनट सावन की बधाई देने में लगा दिया। केवल एक मिनट के अपने संक्षिप्त संबोधन में इस घटना की निंदा की। बड़ी अजीब बात है कि करीब दो महीने से मणिपुर जल रहा है।

वहां नंगा नाच हो रहा है

खुद गृह मंत्री वहां जा चुके हैं। इसके बाद भी स्थिति नियंत्रण में नहीं आ रही है. इसके बाद तो फौरन मणिपुर की डबल इंजन

सरकार के मुख्यमंत्री वीरेंद्र सिंह को बर्खास्त कर देना चाहिए था। मगर हमारे प्रधानमंत्री चुनावी दौरा, चुनावी प्रचार, विदेश भ्रमण में व्यस्त रहे। विदेश में भारत की छवि को बेहतर प्रस्तुत किया जा रहा है, मगर देश के अंदर के हालात केंद्र सरकार नियंत्रित नहीं कर पा रही है।

कहां गए बाबूलाल मरांडी और भाजपा की महिला नेत्रीगण

सुप्रियो भट्टाचार्य ने भाजपा की महिला नेत्रियों और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी को भी घेरा। सवाल किया कि इतनी बड़ी घटना के बाद महिलाओं की सुरक्षा की गारंटी की बात करने वाली भाजपा की महिला नेत्रीगण और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी चुप क्यों हैं। अब तक उनकी प्रतिक्रिया क्यों नहीं आयी। इसलिए कि वहां पर भाजपा की सरकार है। जाहिर सी बात है कि दो महीने से जब उनके पीएम ही चुप हैं, तो इनके नेता क्या बोलेंगे।

भाजपा नेताओं से कोई उम्मीद नहीं

झामुमो ने अधर्मी शास्त्री के उस बयान का जिक्र करते हुए भी भाजपा को घेरा, जिसमें शास्त्री ने महिलाओं को खुला प्लॉट कहा था। इसी शास्त्री के कार्यक्रम में सुशील मोदी और गिरिराज सिंह आदि नेता शामिल होते हैं। ऐसी पार्टी और नेताओं से उम्मीद भी नहीं की जा सकती है. केवल एक आदिवासी को राष्ट्रपति बना देने से ही भाजपा का आदिवासी प्रेम साबित नहीं हो जाएगा। यह पार्टी पूरी तरह से आदिवासी और महिला विरोधी पार्टी है।

मणिपुर की सीएम को बर्खास्त करें, उन पर हत्या का मुकदमा चले

झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने मणिपुर की सीएम को बर्खास्त करते हुए वहां राष्ट्रपति शासन लगाने और उन पर अब तक मणिपुर में हुए 170 से अधिक हुई हत्या का मुकदमा चलाने की मांग की है. उन्होंने कहा कि अब झामुमो आदिवासी अस्मिता के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगा। चिंता न करें 2024 अब दूर नहीं है. हर सवाल का जवाब जनता 2024 में दे देगी।

टीबी उन्मूलन को लेकर रांची जिला को मिला गोल्ड मेडल, सीएम को सौंपा गया

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से गुरुवार को विकास आयुक्त सह अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अरुण कुमार सिंह मिले। उन्होंने सीएम को विश्व यक्ष्मा दिवस 2023 के अवसर पर वाराणसी में हुए कार्यक्रम में टीबी उन्मूलन को लेकर श्रेष्ठ कार्य करने के लिए रांची जिले को मिले गोल्ड मेडल तथा प्रमाण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री को बताया कि विश्व यक्ष्मा दिवस के उपलक्ष्य में मार्च 2023 में टीवी उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में वाराणसी में हुई थी। जहां टीबी उन्मूलन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन

मुख्यमंत्री को गोल्ड मेडल तथा प्रमाण पत्र सौपते विकास आयुक्त सह अपर मुख्य स्वास्थ्य सचिव • फोटोन न्यूज

करने वाले चयनित राज्यों एवं जिलों को सम्मानित किया गया था। इस दौरान में झारखंड में लक्ष्य के अनुरूप कार्य करने के लिए रांची जिला का चयन हुआ था। सीएम सोरेन ने टीबी उन्मूलन को लेकर रांची जिला द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर राज्य यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ रंजीत प्रसाद उपस्थित थे।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री व गृह मंत्री का पुतला फूंका

मणिपुर में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना पर जताया रोष

PHOTON NEWS DHANBAD: मणिपुर में महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने का विरोध करते हुए कांग्रेस ने 20 जुलाई गुरुवार को प्रधानमंत्री व गृह मंत्री अमित साह का पुतला फूंका। मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री की चुप्पी पर भी पार्टी नेताओं ने क्षोभ जाहिर किया। धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस के कार्यकर्ता व नेता रणधीर वर्मा चौक पर जुटे व प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला दहन किया। इससे पहले सभी कांग्रेस जनों ने पुतला लेकर पुराना

रणधीर वर्मा चौक पर पुतला जलाते कांग्रेस नेता व कार्यकता • फोटोन न्यूज

कांग्रेस कार्यालय से रणधीर वर्मा चौक तक रोष मार्च निकाला। सभी भाजपा सरकार के विरुद्ध नारे लगा रहे थे। पार्टी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा श्रेष्ठ भारत का नारा लगाती है, पर इसके विपरीत काम करती है. मणिपुर में महिला के साथ जैसी बर्बरता और अमानवीय व्यवहार किया गया, वह पूरी मानवता को शर्मसार करनेवाला है. दुर्भाग्य यह भी है कि इतनी निंदनीय घटना पर उस पीड़ित महिला को इंसाफ दिलाने के लिए देश के प्रधान मंत्री और गृह मंत्री एक बयान तक नहीं देते हैं। इस अवसर पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सुल्तान अहमद, रवीरंजन सिंह, मुख्तार खान, राजेश्वर यादव योगेन्द्र सिंह योगी, नवनीत नीरज, सतपाल सिंह ब्रोका, महेंद्र दुबे आदि मौजूद थे।

भाजपा व मासस के दर्जनों लोग एनसीपी में हुए शामिल

पार्टी में शामिल लोगों के साथ उमेश गोस्वामी • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS DHANBAD: निरसा विधानसभा क्षेत्र में खुसरी उदयपुर पंचायत के उदयपुर बाउरी टोला में गुरुवार 20 जुलाई को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने बैठक की। बैठक में ज़िलाध्यक्ष उमेश गोस्वामी की उपस्थिति में भाजपा व मासस के दर्जनों लोग एनसीपी में शामिल हुए। जिलाध्यक्ष ने सभी को माला पहनाकर पार्टी में स्वागत किया। उमेश गोस्वामी ने कहा कि इस बार निरसा की जनता परिवर्तन के मूड में है. लोगों ने बहरुपिये छवि वाले नेता को अच्छी तरह पहचान लिया है. लोगों ने ऐसे नेताओं को सबक सिखाने के ले कमर कस ली है. मौके पर प्रखंड अध्यक्ष विमल गोराई, सुशील गोराई व सुमित सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केंद्र सरकार की मजदूर-किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट हों : लखनलाल

PHOTON NEWS BERMO : जारंगडीह स्थित सीटू कार्यालय में 20 जुलाई को संयुक्त ट्रेड यूनियन मोर्चा की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए एटक नेता सह जेबीसीसीआई सदस्य लखन लाल महतो ने कहा कि केंद्रउ की मोदी सरकार की मजदूर, किसान व राष्ट्र विरोधी नीतियों के खिलाफ मजदूरों का देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है. इसी के तहत राज्य स्तरीय कन्वेंशन रांची व बोकारो में जिला स्तरीय कन्वेंशन हुआ। उन्होंने मजदूरों से केंद्र की नीतियों के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया। सीटू के प्रदेश उपाध्यक्ष रामचंद्र ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है. इस सरकार में बेरोजगारी, महंगाई व कारपोरेट लूट जैसी घटनाओं में

बैठक में उपस्थित मोर्चा के नेता • फोटोन न्यूज

बेतहाशा वृद्धि हुई है. यदि फिर से यह सरकार सत्ता में आयी तो देश बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने 10 अगस्त को रांची में होने वाले मजदूरों के महापड़ाव में हजारों की संख्या में मजदूरों की भागीदारी का आह्वान किया।

सीटू के जिला सचिव प्रदीप विश्वास, इंटक नेता श्यामल कुमार सरकार, जवाहर यादव, आफताब आलम, भागीरथ शर्मा, श्याम बिहारी सिंह दिनकर आदि ने विचार रखे। बैठक की अध्यक्षता इंटक के वरीय नेता गिरजा शंकर पांडे ने की, जबकि संचालन सीटू राज्य सचिव विजय कुमार भोई ने किया। मौके पर निजाम अंसारी, मथुरा सिंह यादव, अजय रविदास, पंकज महतो, सुरेश कुमार, श्याम नारायण सतनामी, मोहम्मद कयामुद्दीन, हरेंद्र कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

बाबूलाल मरांडी ने CM हेमंत पर बोला हमला

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हमला बोला है। सोशल मीडिया के माध्यम से मुख्यमंत्री पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा है कि अपनी हरकतों के कारण वे जेल जा सकते हैं। सत्ता से हटने के पहले वे पूरे राज्य को लूटने पर आमादा हैं।उन्हें पता है कि वे अब कभी मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले हैं।

बाबूलाल मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार के लिए डूब मरने की स्थिति हो गयी है। अब हाई कोर्ट ने भी साफ कह दिया है कि रांची में बिल्डर और माफिया जमीन कब्जा कर बेच रहे हैं। ये हाल सिर्फ राजधानी रांची का ही नहीं, देवघर, गिरिडीह जैसे कई अन्य शहरों का भी है। जमीन माफिया अफसरों, सत्ताधारियों से मिलकर जमीन के गोरखधंधे में गंध मचाए हुए हैं। पीडितों पर कहर ढाना, अपराधियों की आवभगत करना, सरकारी करप्शन के खिलाफ आवाज उठाने वाले विरोधी दलों के लोगों, पत्रकारों तक पर फर्जी मुकदमा कर परेशान करना हेमंत सरकार का राजकीय धर्म बन गया है।

सदन की कार्यवाही नहीं चलने देने का मन बनाकर आये : पीयूष गोयल

BJP का आरोप, संसद में मणिपुर पर चर्चा से भाग रहा है विपक्ष

AGENCY NEW DELHI : मणिपुर की जातीय हिंसा के मुद्दे पर संसद के मॉनसून सत्र का पहला दिन हंगामे की भेंट चढ़ जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने विपक्ष पर निशाना साधा। आरोप लगाया कि नियमों की आड़ लेकर वह चर्चा से भाग रहा है. संसद भवन परिसर में पत्रकारों से चर्चा करते हुए राज्यसभा में सदन के नेता पीयूष गोयल ने कहा, आज सदन की कार्यवाही और कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में विपक्ष का रवैया देखकर ये स्पष्ट हो जाता है कि वो मन बनाकर आये हैं कि सदन की कार्यवाही नहीं चलने देंगे।

गोयल ने छत्तीसगढ़ व राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं का जिक्र किया

पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव में हुई हिंसा और कांग्रेस शासित छत्तीसगढ़ व राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध की

घटनाओं का जिक्र करते गोयल ने दावा किया कि शायद इसी परेशानी की वजह से विपक्षी दल चर्चा से भाग रहे हैं। उन्होंने कहा, जब सरकार ने स्पष्ट कर दिया कि वह मणिपुर की घटनाओं पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है, इसके बावजूद कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल सदन नहीं चलने दे रहे हैं। मणिपुर पर हम भी बहुत संवेदनशीलता से चर्चा कराना चाहते हैं। सरकार तैयार है. लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और बाकी विपक्षी दल अपने खोट छुपाने के लिए चर्चा से भाग रहे हैं। इससे पहले मणिपुर में करीब दो महीने से जारी जातीय हिंसा पर संसद में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान देने और उसके बाद चर्चा कराने की मांग को लेकर गुरुवार को मानसून सत्र के पहले दिन दोनों सदनों में विपक्षी सदस्यों ने जोरदार हंगामा किया, जिसके कारण लोकसभा की कार्यवाही एक बार और राज्यसभा की कार्यवाही दो बार के स्थगन के बाद पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गयी। राज्यसभा में सरकार नियम 176 के तहत चर्चा कराने को तैयार हो गयी, लेकिन विपक्ष नियम 267 के तहत चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा।

राज्यसभा में सरकार नियम 176 के तहत चर्चा कराने को तैयार हो गयी

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संसद भवन परिसर में संवाददताओं से कहा कि सरकार मणिपुर की स्थिति पर सदन में चर्चा कराने को तैयार है लेकिन राजस्थान जैसे राज्यों में महिलाओं के खिलाफ अपराध की ऐसी ही घटनाओं पर भी चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ह्यदुर्भाग्य से, विपक्षी दल मणिपुर की घटना को राजनीतिक चश्मे से देख रहे हैं और इसका राजनीतिकरण करना चाहते हैं। हमने कहा है कि हम इस पर चर्चा कराने को तैयार हैं लेकिन विपक्ष चर्चा कराने से भाग रहा है. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने राजस्थान में महिलाओं के खिलाफ अपराध की कथित घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को इस पर भी बोलना चाहिए। ठाकुर ने कहा, क्या सोनिया गांधी और विपक्ष दूसरे राज्यों में ऐसी ही घटनाओं पर मूकदर्शक बने रहेंगे और केवल एक राज्य (मणिपुर) के लिए ही आंसू बहाएंगे जब महिलाओं के खिलाफ अपराध की बात आती है तब आप दो राज्यों में भेद कैसे कर सकते हैं आप (विपक्ष) महिलाओं को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

विपक्ष के लिए मणिपुर की घटना जरूरी नहीं है, नियम जरूरी है

भाजपा मुख्यालय में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस का एक रवैया बन गया है और वह ये है कि हर सत्र से पहले किसी मुद्दे को उठाना और जब बहस हो तो बहस नहीं होने देना, उससे भागना और फिर आरोप लगाना कि मोदी सरकार बहस नहीं करना चाहती है।

वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव का महागठबंधन के नेताओं ने किया स्वागत, सौंपा ज्ञापन

PHOTON NEWS LATEHAR : वित्त मंत्री डॉ। रामेश्वर उरांव का लातेहार परिसदन में कांग्रेस व महागठबंधन के अन्य नेताओं ने गुलदस्ता भेंट कर स्वागत किया। डॉ। उरांव मेदिनीनगर से रांची जा रहे थे। इस दौरान विभिन्न संगठनों के लोगों ने मंत्री को मांग पत्र सौंपा। मांग पत्र में कहा गया है कि जिला के सभी प्रखंडों में धार्मिक, सामाजिक, पहनई, बैगाई, पूजैर व बेलगान जमीन को अंचल कार्यालयों द्वारा दाखिल खारिज कराया जा रहा है और उन्हें लोगों को वहां से बेदखल किया जा रहा है. विभिन्न कंपनियों के द्वारा अनुसूचित क्षेत्र में आदिवासियों की जमीन अनाधिकृत रूप से लिया जा रहा है. इस पर रोक लगाने की मांग की गई है।

इसके अलावा गत 10 अक्टूबर को आदिवासियों पर हुए मुकदमे को वापस लेने, गिरफ्तार आदिवासियों को बेशर्त रिहा करने, हाल सर्वे में हुई गड़बड़ी को सुधारने के लिए मिनी सर्वे कराने, कंपनियों में स्थानीय आदिवासियों को 75% रोजगार दिलाने, लातेहार प्रखंड के जगलदगा में एनएच-75 के पास आदिवासियों की जमीन का गलत कागजात बनाकर खरीद-बिक्री किये जाने पर रोक लगाने और असली रैयतों को उनका हक दिलाने की मांग की गयी। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला पड़हा राजा प्रभु दयाल उरांव, बालूमाथ पड़हा दीवान रामलाल भगत, रामदयाल उरांव, हेरहंज प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष रामवृक्ष गंझू , बारियातू प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष राजेंद्र गंझू, रमेश उरांव, संतु उरांव, ऐश्वर उरांव, जीतू उरांव व आशीष उरांव आदि शामिल है. बालूमाथ के मारगलोइयां पंचायत समिति सदस्य राजकुमारी ने ज्ञापन सौंप कर पंचायत के विभिन्न सड़कों और पुलों के निर्माण के अलावा स्वास्थ्य, शिक्षा व खाद आपूर्ति की समस्याओं से अवगत कराया। मौक प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि पंकज तिवारी व वरीय कांग्रेस नेता प्रो। तुलेश्वर उरांव आदि उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

मनी लॉन्ड्रिंग मामला : पूर्व सीएम मधु कोड़ा, विनोद व अनिल ईडी कोर्ट में पेश

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपी पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, उनके सहयोगी मनोज पुनमिया, अनिल आदिनाथ वास्तावड़े समेत अन्य आरोपी आज गुरुवार को ईडी की विशेष कोर्ट में सशरीर उपस्थित हुए। अदालत में आज ईडी की ओर से गवाह प्रस्तुत किया जाना था। लेकिन किसी कारण वश फिर से गवाह उपस्थित नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 अगस्त को निर्धारित की है। बता दें कि मधु कोड़ा के मुख्यमंत्री काल में उनके मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों और उनके सहयोगियों पर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई करने का आरोप है। इस पूरे प्रकरण की जांच सीबीआई और ईडी ने की है। मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े अन्य मामलों में पूर्व मंत्री एनोस एक्का, बंधु तिर्की और हरिनारायण राय को कोर्ट सजा सुना चुका है। वहीं कई लोग अभी भी ट्रायल फेस कर रहे हैं।

रांची में भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त

RANCHI : उत्पाद विभाग ने रांची में एक घर में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब जब्त किया है। यह मामला रातु थाना इलाके कि तिगरा बसाईर टोली का है। सहायक आयुक्त उत्पाद डॉ राकेश कुमार के निर्देश पर विभाग ने छापेमारी की। विभाग ने करीब 1.50 लाख के 28 पेटी नकली विदेशी शराब जब्त किया है। हालांकि, कार्रवाई के दौरान आरोपित भागने में सफल रहा।

मेकॉन इस्पात महिला समिति का वार्षिक मेला आज से

RANCHI : इस्पात महिला विकास सहयोग समिति का तीन दिवसीय वार्षिक मेला उड़ान का आयोजन 21 जुलाई से 23 जुलाई तक श्यामली कॉलोनी के मेकॉन सामुदायिक भवन में सुबह 9 बजे से संध्या 7 बजे तक किया जायेगा। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि विभा सिंह (अध्यक्ष, झारखंड राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड) द्वारा किया जाएगा। सोनी वर्मा, अध्यक्ष प्रमिला गुप्ता, सचिव विनिता प्रकाश, कोषाध्यक्ष देवदत्ता साहा ने बताया गया कि यह मेला महिला उद्यमियों के विकास तथा स्वरोजगार को बढ़ावा देने का एक बेहतरीन मंच है। इसमें भारत के हर कोने से आई महिला उद्यमी अपनी कलाकृतियों व कौशल का प्रदर्शन करेंगी।

झारखंड में पहली बार एक साथ 26 हजार पदों के लिए निकली नियुक्ति

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने नियुक्ति प्रक्रिया को गति देने की दिशा में तेजी से काम करना शुरू कर दिया है। इसके तहत झारखंड के इतिहास में पहली बार एक साथ 26 हजार पदों पर नियुक्ति के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है। जिन 26 हजार पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किया गया है, वे सभी राज्य के विद्यालयों में नियुक्त किए जाने वाले सहायक आचार्य के पद हैं। इसके साथ झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग ने अभी तक लगभग 35 हजार से अधिक रिक्तियों के लिए विज्ञापन निकाल दिया है। सहायक आचार्यों की नियुक्ति होने से विद्यालयों में पठन-पाठन को बल मिलेगा, साथ ही इससे विद्यालयों में शिक्षकों की जो कमी है उसे पूरा कर टीचर-स्टूडेंट अनुपात में भी बढ़ोत्तरी होगी। शिक्षा के क्षेत्र में झारखण्ड आगे बढ़े, यही मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का संकल्प है। राज्य स्तर पर खुले उत्कृष्ट विद्यालय उसी का प्रमाण हैं।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

पिठोरिया में वज्रपात से एक ही परिवार के छह घायल

RANCHI : पिठोरिया थाना क्षेत्र के पुसू-करंजटोला निवासी हसन अंसारी के एस्बेस्टस शीट घर में शाम लगभग 6 बजे वज्रपात से चार लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार घायलों को इलाज के लिए कांके जेनरल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में भर्ती कराया गया है जहाँ सभी का ईलाज चल रहा है। बताया जाता है कि हसन अंसारी के एस्बेस्टस मकान पर अचानक वज्रपात होने से एस्बेस्टस फटके घर में सुराग बन गया और मौके पर चार लोग घायल हो गए जिसे आनन फानन में अस्पताल पहुंचाया गया।

डीआईजी ने पुलिस अधिकारियों के साथ की बैठक

रांची के डीआईजी अनूप बिरथरे ने रांची एसएसपी सहित जिले के ग्रामीण एसपी, सिटी एसपी, ट्रैफिक एसपी और रांची के सभी डीएसपी व अन्य पुलिस पाधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में डीआईजी अनूप बिरथरे ने संगठित आपराधिक संगठनों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा डीआईजी के द्वारा हत्या, डकैती, लूट, स्नेचिंग, आर्म्स एक्ट, फिरौती के लिए अपहरण, संगठित अपराध, रंगदारी के जुड़े मामलों के संबंध में समीक्षा की गई और मातहत अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट से कहा गया।

तारा शाहदेव प्रकरण CBI की बहस पूरी

RANCHI : रांची सीबीआई कोर्ट के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत में तारा शाहदेव से जुड़े केस की सुनवाई हुई। गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से बहस की गई। बहस के दौरान सीबीआई की ओर से उपस्थित वरीय लोक अभियोजक ने कोर्ट को बताया कि हिंदू रीति से विवाह के बाद तारा शाहदेव के पिता उनके भाई और रकीबुल उर्फ रणजीत के पड़ोसियों एवं काजी ने शादी के अगले दिन धर्म परिवर्तन करा कर निकाह कराने की बात स्वीकार की है, और इससे जुड़े साक्ष्य कोर्ट में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। सीबीआई की पूरी बहस सुनने के बाद कोर्ट ने आरोपी की दलील सुनने के लिए अगली तिथि निर्धारित की है। इस केस में रंजीत कोहली उर्फ रकीबुल के साथ हाईकोर्ट के पूर्व रजिस्ट्रार (विजिलेंस) बर्खास्त मुश्ताक अहमद व कोहली की मां कौशल रानी ट्रायल फेस कर रही हैं।

विधायक प्रदीप यादव केस में चल रही सुनवाई पर रोक बरकरार

महिला के साथ यौन शोषण का मामला, अगली सुनवाई 17 अगस्त को

SPECIAL REPORTER RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट में पोड़ैयाहाट से कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव के महिला के साथ यौन शोषण मामले की सुनवाई हुई। यह सुनवाई न्यायमूर्ति नवनीत कुमार की कोर्ट में हुई। सुनवाई में हाईकोर्ट ने दुमका के एमपी/एमएलए कोर्ट में इस मामले से संबंधित चल रही कार्यवाही पर रोक जारी रखी है। कोर्ट ने मामले की विस्तृत सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख निर्धारित की है। इससे पहले हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई थी। तब कोर्ट ने पीड़िता को नोटिस जारी कर जवाब मांगा था। मामले में सूचक की ओर से जवाब दाखिल कर दिया गया है। आज हुई सुनवाई में सूचक की ओर से अधिवक्ता गौतम कुमार, विनोद साहू और ने पैरवी की। वहीं प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ललित यादव ने बहस किया। गौरतलब है कि स्पेशल जज, दुमका ने 2 अप्रैल 2022 को प्रदीप यादव के डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज कर दिया था। विधायक प्रदीप यादव ने इसे हाइकोर्ट में चुनौती दी है। जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने प्रदीप यादव के खिलाफ यौन शोषण मामले में 20 अप्रैल 2019 को देवघर महिला थाना में कांड संख्या 13/ 2019 दर्ज कराई थी। इस मामले में 28 सितंबर 2019 को प्रदीप यादव को झारखंड हाइकोर्ट से बेल मिली है।

क्या है पूरा मामला

साल 2019 में लोकसभा चुनाव के समय प्रदीप यादव के खिलाफ उनकी ही पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता ने यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। देवघर में दर्ज एफआईआर में उसने कहा है कि प्रदीप यादव ने उसे देवघर के एक होटल में मीटिंग के बहाने बुलाया और दुष्कर्म करने का प्रयास किया।

बच्चा चोरी एक गंभीर अपराध : HC

RANCHI : मदर टेरेसा की संस्था मिशनरीज ऑफ चैरिटी के निर्मल हृदय द्वारा बच्चों की बिक्री मामले में दाखिल अनुरंजन अशोक की जनहित याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में गुरुवार को हुई। मामले में कोर्ट ने मौखिक कहा था कि बच्चा बिक्री का मामला गंभीर अपराध है। ऐसी संस्थाओं से सरकार को सचेत रहने की जरूरत है। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ प्रार्थी को निर्देश दिया कि मिशनरीज ऑफ चैरिटी के निर्मल हृदय संस्था को वह प्रतिवादी बनाए। कोर्ट ने कहा जो संस्थाएं बच्चों को बेचने और खरीदने का काम करती है उनको प्रतिवादी बनाया जाए। कोर्ट ने मामले की सुनवाई 2 सप्ताह बाद निर्धारित की है। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता राजीव कुमार एवं नितेशवरी कुमारी ने पैरवी की। मामले में राज्य सरकार को स्टेटस रिपोर्ट दाखिल नहीं हो सका। बता दें कि अनुरंजन अशोक की ओर से दाखिल याचिका में पूरे मामले की सीबीआइ से जांच की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि इन संस्थाओं को सेवा के लिए विदेश से राशि मिलती है, लेकिन इसका दुरुपयोग किया जा रहा है। इसकी जांच ईडी से होनी चाहिए। याचिका में मीडिया रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है, जिसमें उनको अब तक मिले फंड की जानकारी दी गई है।पुलिस की विशेष शाखा द्वारा 2015 की रिपोर्ट के बारे में जिक्र करते हुए कहा गया है कि उस वक्त भी सरकार को इनके कार्यों के बारे में जानकारी दी गई थी, लेकिन सरकार ने कुछ नहीं किया।

रांची हिंसा : सीआईडी ने कोर्ट से लिया वारंट

RANCHI : पिछले वर्ष दस जून को हुई रांची हिंसा केस से जुड़े आठ आरोपियों के खिलाफ जारी गैर जमानती वारंट सीआईडी ने प्राप्त कर लिया है। सीआईडी के डीएसपी महेंद्र सिंह मुंडा ने मो। नकीब, मो। माजिद आलम, मो। मुन्ना गद्दी, मो। सद्दाम गद्दी, मो। जमाल गद्दी, मो। खालिद उमर, मो। शदाब आलम और मो। अजीम उर्फ अजीमूशान का वारंट कोर्ट से ले लिया है। जिसके बाद अब पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास करेगी।

मनी लॉंड्रिंग : पूर्व स्वास्थ्य सचिव समेत 3 की याचिका पर सुनवाई 4 अगस्त को

RANCHI : मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व स्वास्थ्य सचिव डॉ प्रदीप कुमार, उनके भाई राजेंद्र कुमार सहित 3 आरोपियों की क्रिमिनल रिवीजन पर सुनवाई अब झारखंड हाईकोर्ट में अब 4 अगस्त को होगी। मामले में प्रार्थी की ओर से कोर्ट से समय की आग्रह किया गया। जिस पर कोर्ट ने प्रार्थी के आग्रह को मंजूर कर लिया। दरअसल, दवा घोटाला मामले में आरोपी डॉ प्रदीप कुमार, उनके भाई राजेंद्र कुमार एवं व्यवसाई धर्मेंद्र कुमार धीरज की डिस्चार्ज पिटिशन ईडी कोर्ट ने वर्ष 2019 में खारिज कर दी थी। प्रार्थी की ओर से ईडी कोर्ट द्वारा उनके डिस्चार्ज पिटीशन खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। प्रार्थी की ओर से कहा गया है कि उनके खिलाफ मनी लांड्रिंग का मामला नहीं बनता है। दवा एवं अन्य सामान की खरीद के लिए उन्होंने केवल स्वीकृति प्रदान की थी। पैसे का कोई लेन-देन का मामला नहीं बनता है। बता दें कि मामले को लेकर सीबीआई ने डॉ प्रदीप कुमार एवं अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। इसी के आधार पर ईडी ने भी इनके खिलाफ ईसीआईआर 2018 दर्ज किया है।

सभी विश्वविद्यालयों के वीसी को प्रतिवादी बनाने का निर्देश

RANCHI : झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस डॉ एसएन पाठक की कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान कोर्ट ने राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को प्रतिवादी बनाने का निर्देश दिया। कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को दस सितंबर तक अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया। इस संबंध में सिद्धू- कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय के राजनीतिक शास्त्र के प्रोफेसर प्रमिला सोरेन समेत पांच प्रार्थियों की ओर से याचिका दायर की है। जिसमें में कहा गया है कि वह

अनुबंध पर यूनिवर्सिटी में अध्यापन कर रहे थे। लेकिन विश्वविद्यालय ने एक आदेश जारी कर उनकी सेवा समाप्त कर दी। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि इन पदों पर स्थायी नियुक्ति की जा रही है, इसलिए उनकी सेवा समाप्त की गई है।

रांची में तीन सड़क हादसे एक की मौत, सात घायल

धुर्वा में पीसीआर और ऑटो की टक्कर के बाद जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

CRIME REPORTER RANCHI : रांची में गुरुवार को तीन सड़क हादसे हुए हैं। जिसमें एक की मौत हो गयी है। जबकि 7 लोगों के घायल होने की खबर है। पहला सड़क हादसा रातू थाना क्षेत्र अंतर्गत काठीटांड-ठाकुरगांव मार्ग स्थित हुरहुरी में हुआ है। गुरुवार को यहां विपरित दिशा से आ रही कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। इस हादसे में एक की मौत हो गयी। जबकि दो लोग घायल हो गये। वहीं ऑटो के परखच्चे उड़ गये। मृतक की पहचान कांके चंदवे भीठा निवासी सरफराज अंसारी के रूप में हुई है।

रांची के धुर्वा में पीसीआर वैन और ऑटो की टक्कर

दूसरा सड़क हादसा धुर्वा थाना क्षेत्र के शहीद मैदान के पास हुई। जहां गुरुवार दोपहर में पीसीआर वैन और यात्रियों से भरी ऑटो के बीच टक्कर हो गयी। इस घटना में तीन लोग घायल हो गये। सभी को पारस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

पेड़ गिरने से दो लोग हुए घायल

तीसरा हादसा हॉटलिप्स चौक से रातू रोड जाने वाले रास्ते में हुई है। यहां गुरुवार दोपहर में आर्मी कैंप के बाउंड्री से सटा हुआ एक बड़ा पेड़ गिर गया। इस दौरान वहां से पार हो रहे दो लोग घायल हो गये। पेड़ गिरने के कारण काफी देर तक आवागमन भी बाधित रहा। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो युवकों के शव बरामद

RANCHI : जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो युवकों के शव बरामद हुए हैं। दोनों शवों की बरामदगी लालपुर और गोंदा थाना क्षेत्र से हुई है। पहला शव लालपुर थाना क्षेत्र के जेल चौक के पास से बरामद की गयी है। रास्ते से गुजर रहे लोगों ने शव देखा। जिसके बाद इसकी जानकारी लालपुर थाना पुलिस को दी।

करेंट लगने से हुई छोटू वर्मा की मौत

जानकारी के अनुसार, छोटू वर्मा की मौत करेंट लगने से हुई है। उसके शरीर पर कई जगह जलने के निशान हैं। छोटू सड़क पर लगे होर्डिंग्स के लोहे को निकाल कर ले जाता था। बुधवार देर रात भी वह होर्डिंग्स में लगे लोहे को निकाल रहा था। इसी दौरान करेंट लगने से वो जमीन पर गिर पड़ा। जिससे उसकी मौके मौत हो गयी।

कांके डैम से शव बरामद

दूसरा शव गोंदा थाना क्षेत्र स्थित कांके डैम में बरामद किया गया है। गुरुवार सुबह मछुआरों ने शव को तैरता हुआ देखा। जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी।

पुलिस ने तीन मोबाइल व दो कार किया बरामद, ग्रामीण एसपी ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी जानकारी

जमीन कारोबारी से 50 लाख रंगदारी मांगने व FIRING करने वाले तीन अपराधी धराए

CRIME REPORTER RANCHI : जमीन कारोबारी कमरूल हक से 50 लाख की रंगदारी मांगने और गोलीबारी करने वाले तीन अपराधियों को रांची पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दें कि टीपीसी के नाम पर कारोबारी से रंगदारी मांगी गयी थी। प्रेस कांफ्रेंस में ग्रामीण एसपी ने बताया कि एसएसपी किशोर कौशल के निर्देश पर गठित पुलिस की टीम ने कार्रवाई की है। घटना में शामिल मो। ताज, इम्तियाज अंसारी और वसीम खान को गिरफ्तार किया है। इनके पास से पुलिस ने तीन मोबाइल फोन और दो कार बरामद किया है। गिरफ्तार अपराधियों ने कांड में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। कमरुल हक ने रातू थाने में रंगदारी को लेकर प्राथमिकी दर्ज करवाई थी। दर्ज प्राथमिकी में जमीन कारोबारी ने बताया था कि उनके मोबाइल पर आलोक जी नाम के एक व्यक्ति ने फोन कर खुद को टीपीसी कमांडर बताया। उसके बाद संगठन के संचालन के लिए पैसों की मांग की, तथाकथित कमांडर आलोक जी ने कमरुल हक को जल्द से जल्द 50 लाख रुपये का इंतजाम करने को कहा था।

प्रेस कांफ्रेंस कर जानकारी देते रांची के ग्रामीण एसपी नौशाद आलम।

होटल के बाहर की थी अंधाधुंध फायरिंग : रातू थाना क्षेत्र के हाजी चौक के पास अपराधियों ने कमरूल हक होटल के बाहर अंधाधुंध फायरिंग की थी। इस फायरिंग में जब्बार अंसारी और इलिहास अंसारी को गोलियां लगी थी। वहीं फायरिंग करने वाले अपराधी मौके से आराम से भाग निकला था।

डीएसपी-दारोगा को गोली मारने वाला एक और अपराधी चढ़ा पुलिस के हत्थे

CRIME REPORTER RANCHI : रामगढ़ जिले के पतरातू थाना क्षेत्र में अमन साहू गिरोह के अपराधियों ने डीएसपी नीरज कुमार और दारोगा सोनू साव को गोली मारकर घायल कर करने के मामले में एक और अपराधी राजन कुमार को पतरातू थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। एसपी सुरेंद्र कुमार झा के निर्देश पर एटीएस की टीम ने लोहरदगा और रामगढ़ पुलिस के सहयोग से कार्रवाई करते हुए अपराधी अमन साहू गिरोह के शूटर सिद्धार्थ कुमार उर्फ बॉबी साव को लोहरदगा के भंडरा थाना क्षेत्र के भौरों से गिरफ्तार किया गया। वहीं दूसरी ओर एटीएस की टीम ने रामगढ़ पुलिस के सहयोग से छापेमारी करते हुए राजन कुमार को पतरातू थाना क्षेत्र के ग्राम टेरपा, आजाद टोला बजरंगबली के मंदिर के पास से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अपराधियों के पास से पिस्टल और गोली बरामद की गयी है। बॉबी साव रांची के अरगोड़ा थाना क्षेत्र में कोयला कारोबारी रंजीत कुमार गुप्ता को गोली मारने की घटना में शामिल था। इसके अलावा डीएसपी और दारोगा को गोली मारने का मुख्य आरोपी भी है। दोनों अपराधी अमन साहू के नाम पर कोल कंपनियों के अधिकारियों तथा अन्य व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी के रूप में उनसे मोटी रकम वसूलने का काम करते थे।

होटल ले जाकर नाबालिग से दुष्कर्म, प्राथमिकी दर्ज

पीड़िता का आरोप- कोचिंग से उठा कर ले गया

CRIME REPORTER RANCHI : राजधानी के चुटिया थाना क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की को कोचिंग से बहला कर होटल में ले जाकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पीड़िता ने मो.साजिद अंसारी के विरुद्ध चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस को दिये बयान में पीड़िता नाबालिग ने कहा है कि आरोपित मो. साजिद से उसकी चार-पांच वर्ष से दोस्ती है। एक दिन जब वह कोचिंग में थी तब मो.साजिद अंसारी आया और बोला कि उसे बहुत जरूरी बात करनी है। इसके बाद पीड़िता को वह अपने साथ ले गया। बिना जानकारी दिए उसे स्टेशन रोड पटेल चौक स्थित एक होटल में ले जाकर दिन के 2.30 बजे से शाम सात बजे तक दुष्कर्म किया। फिर रात 7.30 बजे पीड़िता को उसके घर के पास छोड़ कर भाग निकला। घटना बीते फरवरी माह की है। कुछ दिनों के बाद पीड़िता ने इसकी जानकारी अपनी मां को

दी। स्वजनों को जब घटना की जानकारी मिली तो चुटिया थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई। आरोपी के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस छानबीन कर रही है। फिलहाल आरोपी पकड़ा नहीं गया है।

चुटिया थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर वेंकटेश कुमार ने बताया कि पीड़िता और आरोपी की पुरानी दोस्ती थी। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाया है। पीड़िता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

BRIEF NEWS

चतरा में हथियारबंद लोगों ने खुद को माओवादी बताकर जेसीबी में लगाई आग

CHATARA: लावालौंग थाना क्षेत्र के टूनगुन गांव में हथियारबंद लोगों ने खुद को माओवादी बताकर सड़क निर्माण कार्य में लगे जेसीबी को आग के हवाले कर दिया। जेसीबी गांव के ही संवेदक शंकर साव की है। बताया जाता है कि बुधवार देर रात हथियारबंद लोग वहां पहुंचे और खुद को माओवादी बताकर जेसीबी में आग लगा दी। जेसीबी की मदद से टुनगुन-बधार सड़क का निर्माण कार्य किया जा रहा था। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने कहा कि घटना को शरारती तत्वों ने या फिर नक्सलियों ने अंजाम दिया गया, इसकी जांच की जा रही है।

सिमडेगा में दो गाड़ियों की टक्कर

SIMDEGA: कोलेबिरा थाना क्षेत्र अंतर्गत देवनदी मोड़ के पास दो गाड़ियों की टक्कर में कार सवार लोगों को हल्की चोटें आयी है। हालांकि, दोनों गाड़ियां पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गयी हैं। जानकारी के अनुसार, एक गाड़ी में सिमडेगा के पूर्व विधायक निर्मल बेसरा भी मौजूद थे। बोलेरो गाड़ी गुमला की तरफ से आ रही थी। सिमडेगा की ओर से एक गाड़ी आ रही थी। तभी गुमला-रांची-सिमडेगा तीन मुहान पर दोनों गाड़ी आपस में टकरा गयी।

मडुवा की बिस्किट और केक के सामने बड़े-बड़े ब्रांड फेल

KHUNTI: एक समय था कि मडुवा जैसे मोटे मनाज को गरीबों का भेजन कहा जाता था। गरीबी के कारण लोग चावल और गेहूं नहीं खरीद पाते थे, तो सबसे सस्ता मडुवा ही उनके जीने का आधार था। भले ही अब वैज्ञानिक मोटे अनाज के महत्व को समझ रहे हैं और मडुवा, ज्वार जैसे अनाज की खेती को बढ़ावा दे रहे हैं। यहां तक कि केंद्र सरकार ने 2023 को मिलेट्स वर्ष भी घोषित कर दिया है। पहले लोग मडुवा का उपयोग सिर्फ रोटी के रूप में करते थे, लेकिन अब मडुवा से बिस्किट, ब्रेड, जैम, कुकीज सहित अन्य कई तरह के स्वादिष्ट खाद्य सामग्री बनाई जा रही है। खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड की महिलाएं मडुवा के बिस्किट, कुकीज, ब्रेड, टोस्ट आदि इस तरह से बना रही है कि बड़े से बड़े ब्रांड भी फेल नजर आ रहे हैं। स्थानीय बाजार में मडुवा के इन उत्पादों की भारी मांग भी है और महिलाएं मडुवा की कई तरह की खाद्य सामग्री का उत्पादन कर न सिर्फ अच्छी कमाई कर रही हैं, बल्कि अपने आर्थिक स्थिति को भी सुधार रही हैं। अब वह दिन नहीं रहा, जब महिलाएं घर की चहारदीवारी में कैद होकर अपने को घरेलू काम तक ही सीमित रखती थी, बल्कि आज महिलाएं रोजगार के क्षेत्र में पुरुष के साथ हर पायदान पर कदम से कदम मिला रही है। भले ही ऑफिस का काम हो या बिजनेस संभालना हो या फिर अन्य कोई भी कठिन काम क्यों न हो, महिलाएं हर दिशा में उन्नति कर अपनी कामयाबी का लोहा मनवा रही हैं। इसका नतीजा है कि आज हर काम में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। अब महिलाएं केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाओं का लाभ उठाकर आत्मनिर्भर हो रही हैं। झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन समाज (JSLPS) से फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर महिलाएं घर बैठे व्यवसाय चला रही हैं।

मिशन इंद्रधनुष के तहत DC की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक

उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग की तरह कार्य करने का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RAMGARH: मिशन इंद्रधनुष के तहत गुरुवार को उपायुक्त, रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक का आयोजन समाहरणालय सभाकक्ष में किया गया।

बैठक के दौरान वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) से डॉ अमोल द्वारा पीपीटी के माध्यम से आईएमआई 5.0 मिशन इंद्रधनुष के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि मिशन इंद्रधनुष के तहत शून्य से पांच साल तक के बच्चों को खसरा एवं रुबेला, निमोनिया, डिफ्थेरिया, काली खांसी, टेटनस, जापानीज इन्सेफेलाइटिस, पोलियो समेत कई प्रकार की बीमारियों से बचाव के लिए टीके लगाए जाते हैं। इस अभियान की शुरूआत सात अगस्त से होगी। स्वास्थ्य विभाग ने अभियान को सफल बनाने के लिए बच्चों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि ये कार्यक्रम डिजिटल प्लेटफॉर्म UWIN पर किया जाएगा। जिसके लिए सहियाओं व सेविकाओं के द्वारा हेड काउंट सर्वे, ड्यू लिस्ट तैयार करना, माइक्रोप्लान समय पर बनाने सहित अन्य कार्य किए जा रहे है। मिशन इंद्रधनुष के तहत टीकाकरण का यह अभियान तीन महीने तक चलेगा। पहला चरण 07 अगस्त से 12 अगस्त तक होगा। इसके बाद दूसरा चरण 11 सितंबर से 16 सितंबर तक एवं तीसरा चरण 9 अक्तूबर से 14 अक्टूबर तक यह अभियान चलेगा। जिसमें बच्चों के नियमित टीकाकरण के साथ-साथ गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण भी होगा। बैठक के दौरान उपायुक्त ने बच्चों के नियमित टीकाकरण व गर्भवती महिलाओं के टीकाकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहां की समाज के विकास के लिए मिशन इंद्रधनुष का सफल होना बेहद जरूरी है। इसके लिए उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग को नोडल विभाग की तरह कार्य करने एवं समाज कल्याण, शिक्षा, जनसंपर्क सहित अन्य संबंधित विभागों को आपस में समन्वय बनाकर व्यापक प्रचार प्रसार करने एवं शत-प्रतिशत बच्चों व गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

बैठक में उपस्थित उपायुक्त माधवी मिश्रा व अन्य कर्मी • फोटोन न्यूज

मिशन इंद्रधनुष के सफल संचालन के मद्देनजर उपायुक्त ने प्रखंड स्तर पर मिशन इंद्रधनुष के तहत कार्य करने वाले कर्मियों को अच्छी तरह से प्रशिक्षण देने एवं जिला स्तरीय अधिकारियों को इसकी मानिटरिंग करते हुए सभी कर्मियों को किए जाने वाले कार्य की पूरी जानकारी उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

अभियान को सफल बनाने एवं शत-प्रतिशत बच्चों और गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से उपायुक्त ने तकनीक का पूरा इस्तेमाल करते हुए डिजिटल मोड में कार्य करने का निर्देश दिया। इसके लिए उपायुक्त ने टीकाकरण संबंधित सभी जानकारी वहक्ष पोर्टल पर ससमय अपडेट करने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने, लोगों को जागरूक करने सहित अन्य आवश्यक निर्देश दिए वही उपायुक्त ने जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को विभिन्न विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों को भी मिशन इंद्रधनुष एवं नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूक करने व उन के माध्यम से उनके क्षेत्र में आम जनों तक जागरूकता फैलाने हेतु कार्य करने का निर्देश दिया।

बैठक के दौरान सिविल सर्जन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों सहित अन्य उपस्थित थे।

अखिल भारतीय आदिवासी महासभा ने किया पीएम मोदी का पुतला दहन

9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से रामगढ़ में मनाने की घोषणा

PHOTON NEWS RAMGARH: अखिल भारतीय आदिवासी महासभा के बैनर तले, सीपीआई कार्यालय से जुलूस निकाला गया। शहर के भ्रमण करते हुए नारे बाजी किये। भाजपाइयों के द्वारा आदिवासियों को लगातार अपमानित करने, यू सी सी के विरोध में सुभाष चौक के समक्ष प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन कार्यक्रम में मुख्य रूप से भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव महेंद्र पाठक , रामगढ़ प्रखंड सचिव खुर्शीद अहमद कुरेशी , आदिवासी महासभा के जिला सचिव अविनाश बेदिया उपस्थित थे। लोगों को संबोधित करते हुए नेताओं ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी आदिवासी, दलित, पीड़ित , वंचित लोगों को लगातार अपमानित कर रही है। देश में सांप्रदायिक उन्माद को फैला कर वोट बैंक की राजनीति कर रही है। पूरे मणिपुर जल रहा है, मणिपुर में महिलाओं की अस्मत लूटी जा रही है। एक बार भी प्रधानमंत्री ने मणिपुर पर कोई बयान नहीं दिया। देश में किसान मजदूर छात्र नौजवान महिलाएं सभी आंदोलित हैं। समान नागरिक संहिता के नाम पर लोगों को टारगेट करने की कोशिश की जा रही है देश के आदिवासी महिला राष्ट्रपति को लगातार अपमानित किया जा रहा है। उन्हें मंदिरों में प्रवेश पर भी रोक है। देवघर के बाबा धाम के गर्भ गृह में प्रवेश नहीं करने दिया गया। तो दिल्ली के भी मंदिर में प्रवेश नहीं हुए , संसद भवन के उद्घाटन के क्रम में भी राष्ट्रपति को अपमानित किया गया।आज प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर राष्ट्रपति को काम करना पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी आदिवासी किसान छात्र नौजवान महिला विरोधी है। सर्वसम्मति से घोषणा की गई कि नो अगस्त को रामगढ़ में धूमधाम से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाएगा। पुतला दहन कार्यक्रम में भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के अनामुल खान, कालीचरण मांझी, संजय गोईनाका सहित कई लोग उपस्थित थे।

दूधिया लाइट से जगमगाएंगे नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्ड : मनोज महतो

PHOTON NEWS RAMGARH: नगर परिषद क्षेत्र के सभी वार्डों में वर्षों से अंधेरा पसरा हुआ था। इसे दूर करने की मांग स्थानीय लोग करते आ रहे थे। लोगों की मांगों को ध्यान में रखकर व अंधेरे से राहत देने के लिए नगर परिषद उपाध्यक्ष मनोज कुमार महतो के द्वारा एलईडी लाइट लगाने की योजना बनाई गई।

मनोज कुमार महतो के द्वारा आज क्षेत्र के वार्ड नं 30 मुर्रम कला में एलईडी लाइट का स्विच ऑन कर के शुरूआत किया गया।

मौके पर मनोज कुमार महतो ने बताया कि क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में लगभग 100 एलईडी लाइट लगया जाएगा। जरूरत के हिसाब से किसी वार्ड में इससे अधिक भी लगाया जाएगा पूरे नगर परिषद में 5000 एलईडी लाइट लगाया जाएगा जो एक महीना के अंदरवार्डों में लगी सभी लाइटों से नगर परिषद क्षेत्र जगमग करने लगेगा।

बाजारों में सड़कों के किनारों पर लाइटें लगाई जाएगी। स्थानीय लोगों,दुकानदारों के साथ राहगीरों ने भी इसे नगर परिषद का बेहतर प्रयास बताया।

कहा कि सड़क किनारे लाइटें लगने से काफी अच्छा लगेगा। दुर्घटना व आपराधिक घटनाओं में भारी कमी आएगी। मालूम हो कि कोई कोई मार्ग पर लोगों की आवाजाही 24 घंटे जारी रहती है,लेकिन अंधेरे का फायदा उठा कर चोर-उचक्के अक्सर राहगीरों को परेशान करते रहते थे।

मौके पर पार्षद प्रतिनिधि मनोज महतो, तारकेश्वर महतो, सोहन महतो, अनिल पटेल, लुकेश्वर महतो आदि अन्य लोग उपस्थित थे।

एलईडी लाइट लगाते मनोज महतो व अन्य ग्रामीण • फोटोन न्यूज

पलामू में सर्पदंश से पति-पत्नी की मौत

PHOTON NEWS PALAMU: जिले के नौडीहा बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत लक्ष्मीपुर पंचायत के नावाडीह गांव में सर्पदंश से पति-पत्नी की जान चली गई। दोनों को सोने की अवस्था में एक जहरीले सांप ने बुधवार की रात डंस लिया था। पहले तो दोनों को गांव के झोलाछाप डाक्टर से इलाज कराया गया। जब स्थिति में सुधार नहीं हुआ तो जंगली क्षेत्र में ले जाकर झाड़-फूंक कराया। स्थिति बिगड़ने पर अंत में उन्हें अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डाक्टर ने गुरुवार को दोनों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान बैजनाथ साव (50) और उसकी पत्नी पुष्पा देवी (45) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि दोनों घर में सो रहे थे। इस बीच सांप ने पहले महिला पुष्पा को डंस लिया। उसकी नींद खुली तो उसने सांप को उठाकर फेंका लेकिन वह उसके पति के पास गिरा और फिर बैजनाथ साव को भी डंस लिया।

परिजन उन्हें तत्काल अस्पताल ले जाने की बजाय झाड़-फूंक के लिए करीब 15 किलोमीटर दूर कोसियारा जंगल ले गये, जहां पर घंटों झाड़-फूंक किया गया लेकिन पति-पत्नी की स्थिति सुधरने की बजाय बिगड़ती ही चली गयी। आज सुबह दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल छतरपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने पति-पत्नी को मृत घोषित कर दिया। बैजनाथ और उसकी पत्नी मजदूरी करते थे। इनके दो पुत्र और एक पुत्री है। पुत्री की शादी तय हो गई थी। दो महीने के बाद शादी करनी थी। पलामू सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि जिले के विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों पर 10 हजार से भी अधिक एंटी वैनम मौजूद हैं। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज, छतरपुर, विश्रामपुर, हुसैनाबाद अनुमंडल अस्पताल में सांप काटने के मामलों को लेकर स्पेशल टीम भी तैनात की गई है। उल्लेखनीय है कि जिले में पिछले दो महीने में सर्पदंश के 92 मामले सामने आए, जिसमें आठ की मौत हो गई। बताया जाता है कि अंधविश्वास के चक्कर में सभी की जान चली गई।

कोडरमा के परसाबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन से कटकर युवक की मौत

KODARMA: जिले के जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत परसाबाद रेलवे स्टेशन पर गुरुवार की सुबह ट्रेन संख्या 13305 धनबाद गया इंटरसिटी एक्सप्रेस से कटकर एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मरकच्चो थाना क्षेत्र के चोपनाडीह निवासी निरंजन दास (24) परसाबाद स्टेशन पर धनबाद गया इंटरसिटी एक्सप्रेस से कोडरमा जाने के लिए आया था। वह विपरीत दिशा से प्लेटफार्म बदल रहा था। इस बीच ट्रेन आ गई और युवक को चपेट में ले लिया, जिससे उसकी कटकर मौत हो गई है। युवक के साथ उसकी मां भी थी। दुर्घटना देखकर उसकी हालत भी खराब हो गयी। घटना की सूचना मिलते ही आरपीएफ ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया।

कोडरमा में अनियंत्रित होकर बाइक पेड़ से टकरायी, एक की मौत, दूसरा घायल

PHOTON NEWS KODARMA: डोमचांच थाना अंतर्गत सीएम हाई स्कूल के समीप बुधवार की देर रात सड़क दुर्घटना में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य युवक का सदर अस्पताल कोडरमा में इलाज चल रहा है।

मृतक की पहचान डोमचांच जयनगर रोड निवासी रोनित कुमार उर्फ गोलू कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल की पहचान सूरज कुमार साव (18) के रूप में हुई है। घटना के बाद दोनों को सदर अस्पताल कोडरमा लाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद गोलू को मृत घोषित कर दिया। वहीं गंभीर रूप से घायल सूरज का इलाज सदर में चल रहा है।

घायल सूरज के परिजनों ने बताया कि सूरज के पिता संजय साव डोमचांच चौक पर गुपचुप का ठेला लगाते हैं। बुधवार की रात में गोलू ने दुकान बंद किया और दोनों एक बाइक पर सवार होकर सीएम हाई स्कूल की तरफ जा रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार मोटरसाइकिल एक पेड़ से टकरा गई। इसमें गोलू कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूरज के परिजनों ने बताया कि दोनों आपस में दोस्त है और एक साथ पढ़ाई करते थे। दोनों बाइक से कहां जा रहे थे इसकी जानकारी परिजनों को नहीं है। सूचना कोडरमा पुलिस को मिलने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

कार्य करने के संबंध में दिया आवश्यक निर्देश

DMFT के तहत हो रहे कार्यो की DC ने की समीक्षा

PHOTON NEWS RAMGARH: डीएमएफटी के तहत जिले में हो रहे विकास कार्यों को लेकर गुरुवार को उपायुक्त, रामगढ़ माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभागवार संबंधित कार्यपालक अभियंताओं व अधिकारियों से पूर्व से संचालित योजनाओं के तहत अब तक हुए कार्यों की जानकारी ली। उपायुक्त ने अधिकारियों को नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण कर कार्य प्रगति का जायजा लेने, गुणवत्ता का ध्यान रखने एवं ससमय योजनाओं को पूर्ण करने हेतु आवश्यक कार्य करने के संबंध में महत्वपूर्ण निर्देश दिए।

उपायुक्त ने डीएमएफटी के तहत अन्य विकास कार्यों को करने, विभिन्न क्षेत्रों से आए विकास कार्यों के प्रस्तावों आदि पर बैठक में उपस्थित अधिकारियों के साथ चर्चा करते हुए योजनाओं के चयन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में निर्देश देती उपायुक्त माधवी मिश्रा व उपस्थित अन्य कर्मी • फोटोन न्यूज

- ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत भवन के माध्यम से ग्रामीणों व आम जनों को विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराने के मद्देनजर उपायुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में स्थित पंचायत भवनों तक वर्तमान पहुंच पथ की जानकारी ली। जिन पंचायत भवनों तक पहुंच पथ की वर्तमान स्थिति ठीक नहीं है, उनसे संबंधित प्रतिवेदन तैयार करते हुए जिला स्तर पर उपलब्ध कराने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया।

-बच्चों की सुरक्षा के मद्देनजर डीएमएफटी के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित सरकारी विद्यालयों के चारदीवारी कार्यों की समीक्षा की। इस क्रम में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हुए जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने एवं संबंधित प्रतिवेदन जिला स्तर पर ससमय उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

-डीएमएफटी के तहत चितरपुर एवं दुलमी प्रखंड में बनाए जा रहे झारखंड बालिका आवासीय विद्यालयों के अब तक हुए कार्यों की जानकारी लेने के क्रम में उपायुक्त ने सुरक्षा दृष्टिकोण से विद्यालयों में सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए। गोट बैंक परियोजना एवं ऑर्गेनिक फार्मिंग के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को जरूरतमंद ग्रामीणों को योजनाओं से जोड़ने, किसी भी तरह के प्रशिक्षण के आयोजन के दौरान स्थानीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों आदि की उपस्थिति सुनिश्चित करने व योजना के सफल संचालन को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। वही उपायुक्त ने पूर्ण हो चुके योजनाओं पर शिलापट्ट लगाने के दौरान निर्धारित प्रोटोकॉल का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करते हुए ही कार्य करने का निर्देश दिया।

इन सबके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निमार्णाधीन पुलों, डीएमएफटी के तहत संचालित अन्य योजनाओं, नई योजनाओं आदि पर चर्चा की।इसक्रम में विकास कार्यों को धरातल पर उतारने व संचालित योजनाओं को जल्द से जल्द पूर्ण करने हेतु महत्वपूर्ण निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त, सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों, कार्यपालक अभियंताओं डीएमएफटी टीम के सदस्यों सहित सभी उपस्थित थे।

खूंटी में 80 किशोरियों को दिया गया तेजस्विनी परियोजना का प्रशिक्षण

PHOTON NEWS KHUNTI: तेजस्विनी परियोजना के तहत एनआइओएस के तत्वावधान में सेवा शिक्षा प्रदाता की ओर से संचालित सभी पांच अध्ययन केन्द्रों की 80 किशोरियों ने एनआइओएस द्वारा आयोजित पांच दिवसीय पीसीपी क्लास में भाग लिया। एसएस प्लस टू हाई स्कुल में आयोजित कार्यक्रम का समापन गुरुवार को हुआ। इस दौरान किशोरियों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गई। परियोजना के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे प्रशिक्षण और कार्यशाला में भाग लेकर किशोरियां विभिन्न आय सृजन की गतिविधियों से जुड़ सकती हैं।

इस दौरान परियोजना के उद्देश्यों एवं कौशल विकास को लेकर किशोरियों को जागरूक भी किया गया। बताया गया कि तेजस्विनी परियोजना के मुख्य उद्देश्य 14 से 24 वर्ष की किशोरियों एवं युवतियों को बहुमुखी एवं सशक्त तेजस्विनी क्लबों के रूप संगठित करना, तेजस्विनी क्लबों में संगठित सभी किशोरियों एवं युवतियों को जीवन कौशल शिक्षा प्रदान करना, 14 से 20 आयु वर्ग की किशोरियों एवं युवतियों को माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा, 16 से 24 वर्ष की किशोरियों एवं युवतियों को बाजार की आवश्यकताओं पर आधारित कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रोजगार अथवा स्वरोजगार से जोड़ना है।

BRIEF NEWS

सुरभि शाखा ने साकची गुरुद्वारा स्कूल में लगायी सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन

JAMSHEDPUR : मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा गुरुवार को प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष राकेश मोदी के सम्मान में नारी चेतना के अंतर्गत साकची स्थित गुरुद्वारा स्कूल में सेनेटरी पैड वेडिंग मशीन लगायी गयी। मौके पर शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल ने कहा है कि सुरभि शाखा समय-समय पर सामाजिक कार्य एवं नारी चेतना पर लोगों को जागरूक करने का कार्यक्रम करते रहती है, जो आगे भी जारी रहेगा। इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ पक ार संजय मिश्रा, शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल ,सचिव कविता अग्रवाल, सिंपल अग्रवाल, बबीता मुनका, नारी चेतना की संयोजिका रीना गोयल, खुशबू कावटिया, बिंदिया नरेड़ी, पायल अग्रवाल, सुमन झाझरिया, प्रीति सावा, मनीषा संघी, उषा चौधरी आदि उपस्थित थे।

आज से शुरू होगी बीएड में एडमिशन की प्रक्रिया

JAMSHEDPUR : राज्य के बीएड कॉलेज में नामांकन को लेकर प्रथम राउंड की काउंसिलिंग के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और च्वाइस देने व उसमें संशोधन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब एडमिशन की बारी है। इसके तहत 21 जुलाई से एडमिशन शुरू होगी और 27 जुलाई तक अनुशंसित अभ्यर्थियों के डॉक्यूमेंट का वेरिफिकेशन कराकर संबंधित संस्थानों में दाखिला ले सकेंगे। इस संबंध में जेसीइसीइबी ने विस्तृत दिशा निर्देश जारी कर दिया है। साथ ही सभी कॉलेजों को अपने स्तर से इसके लिए तैयार रहने को कहा गया है। एडमिशन लेने वाले विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो इसका विशेष ध्यान रखाने का निर्देश कॉलेजों को दिया गया है। मालूम हो कि राज्य में स्थिति सरकारी, गैर सरकारी 136 बीएड कॉलेजों में निर्धारित 13600 सीटों पर इस प्रक्रिया के तहत नामांकन लिया जाएगा। दाखिले के लिए हुए प्रवेश परीक्षा में करीब 38776 अभ्यर्थियों ने क्वालीफाई किया है। छात्र काउंसलिंग से संबंधित अधिक जानकारी https://jceceb.jharkhand.gov.in पर जाकर प्राप्त कर सकते हैं।

परसुडीह सोसाइटी कॉलोनी की महिलाओं ने मनाया सावन सिंधारा महोत्सव

JAMSHEDPUR : परसुडीह चर्च रोड़ स्थित को-ऑपरेटिव सोसाइटी कॉलोनी की महिलाओं द्धारा श्री शिव हनुमान दुर्गा मंदिर परिसर में गुरूवार की शाम को सावन सिंधारा महोत्सव का आयोजन किया गया। महिलाओं नें हरे रंग समेत रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर कर खूब मौज मस्ती की। इस दौरान महिलाओं ने गीत-संगीत पर झूमते हुएं एंव अपने हुनर को दिखाया। अंत में सभी ने स्वादिष्ट व्यंजन का भी आनंद लिया।

नाबालिग से दुष्कर्म, धर्म परिवर्तन भी कराया, बालिग हुई तो किया केस

JAMSHEDPUR : पूर्वी सिंहभूम के मुसाबनी थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में पीड़िता द्वारा मुसाबनी थाना में पॉक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। इस मामले में मुसाबनी सिंदाडेरा निवासी शमशेर खान, उसकी पत्नी, भाई शमशाद और दो बेटों को आरोपी बनाया गया है। इसके अलावा आरोपियों पर धर्म परिवर्तन कराने का भी आरोप लगाया गया है। पीड़िता ने बताया कि फिलहाल उसकी उम्र 19 वर्ष है। साल 2018 में शमशेर खान से उसकी मुलाकात हुई थी। इस दौरान शमशेर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करता रहा। शमशेर ने धर्म परिवर्तन भी करा दिया। उस समय लड़की नाबालिग थी। बालिग होने पर लड़की ने थाना केस कर दिया है।

MANIPUR की घटना केंद्र-राज्य की डबल इंजन सरकार पर धब्बा : SAMIR MAHANTI

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : बहरागोड़ा के झामुमो विधायक समीर महंती ने कहा कि मणिपुर की घटना से पूरा देश मर्माहत है। यह घटना केंद्र एवं राज्य की डबल इंजन की सरकार के लिए धब्बा है। पिछले कई महीने से मणिपुर जल रहा है। लेकिन केंद्र की सरकार यथोचित कदम नहीं उठा रही है।

समीर महंती गुरुवार को जमशेदपुर परिसदन में मीडियाकर्मियों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मणिपुर में महिलाओं से हुई बर्बरता काफी निंदनीय है। देश में अमन-चैन खत्म हो गया है। जिन वादों के साथ मोदी सरकार सत्ता में आयी वे वादे

मीडिया को संबोधित करते झामुमो विधाक समीर महंती व अन्य। ● फोटोन न्यूज

गौड़ हो गए हैं। महंगाई चरम पर है। भ्रष्टाचार का बोलबाला है। युवाओं को रोजगार नहीं है।

उन्होंने कहा कि झारखंड की हेमंत सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरने वाली सरकार है। पिछली

लोकसभा चुनाव में भाजपा की विदाई तय

झामुमो के वरिष्ठ नेता सह 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार के दिन अब गिने-चुने रह गए हैं। इसकी 2024 में विदाई तय है। सत्ता बचाने के लिए 38 दलों का गठबंधन भी उसके काम नहीं आएगा। विपक्ष हर मोर्चे पर मुखर होकर काम कर रहा है। देश की जनता मोदी सरकार की जुमलेबाजी में नहीं आने वाली है। क्योंकि इस सरकार का महंगाई पर नियंत्रण नहीं है, युवाओ को रोजगार नहीं है, एम्स खोले जाने की घोषणा करके सरकार इसे पूरा नहीं कर पा रही है। मणिपुर जल रहा है। लेकिन सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। हेमंत सरकार की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में झामुमो पुनः झारखंड में सरकार बनाएगा। साथ ही विपक्ष के साथ कदम से कदम मिलाकर सांप्रदायिक शक्तियों को हराने का काम करेगा। प्रेस वार्ता में पूर्व सांसद सुमन महतो, महावीर मुर्मू समेत अन्य मौजूद थे।

टाटा ब्लूस्कोप में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी, एसएसपी से शिकायत

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : शहर की बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में आदित्यपुर निवासी शुभम कुमार ने एसएसपी समेत कदमा थाना में लिखित शिकायत की है। दरअसल ठगी करने वाली मेघा पांडेय कदमा उलियान स्थित एमपी सॉल्यूशन नामक कंपनी का संचालन करती है जिसके माध्यम से वह लोगों से कंपनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करती है। मेघा द्वारा फोन कर पहले लोगों को नौकरी दिलाने का झांसा दिया जाता है और उनसे एक बड़ी रकम ली जाती है। इधर, पीड़ित द्वारा शिकायत के बाद से मेघा पांडेय फरार चल रही है।

टाटा ब्लूस्कोप में एचआर पद का दिया था झांसा

मामले को लेकर शुभम की अधिवक्ता दीपा सिंह ने बताया कि वर्ष 2019 में शुभम ने बीएससी पास कर नौकरी की तलाश शुरू की। वह इटरनेट पर नौकरी की तलाश करता रहा। इसी बीच एमपी सॉल्यूशन नामक कंपनी की मेघा पांडेय ने फोन पर शुभम से संपर्क किया। मेघा ने बिष्टुपुर स्थित इंडिया बुल्स फाइनेंस कंपनी में नौकरी दिलाने के लिए 50 हजार रुपये लिए। शुभम कंपनी में काम करता रहा। डेढ़ साल बाद कंपनी बंद हो गई जिसके बाद शुभम हैदराबाद में काम करने चला गया। हालांकि इस बीच शुभम के माता-पिता की तबियत ठीक नहीं रहने पर वह वापस जमशेदपुर लौट आया और फिर से नौकरी की तलाश करने लगा। मेघा पांडेय ने दोबारा शुभम से संपर्क किया और इस बार टाटा ब्लूस्कोप में नौकरी दिलाने के लिए 80 हजार रुपये की मांग की। चूंकि पूर्व में मेघा ने शुभम को नौकरी दिलाई थी इसलिए शुभम ने मेघा को रुपये दे दिए।

रुपये वापस मांगने पर दिया था चेक

अधिवक्ता दीपा ने बताया कि काफी समय बीत जाने के बाद भी जब शुभम को नौकरी नहीं मिली तो उसने अपने रुपये वापस मांगे। पहले तो मेघा ने रुपये देने से इंकार किया फिर तीन चेक दिए जिसमें एक 80 हजार और दो 20-20 हजार के थे। सभी चेक बाउंस हो गए। चेक बाउंस के बाद जब शुभम ने मेघा से दोबारा रुपयों की मांग की तो मेघा द्वारा धमकियां दी जाने लगी। अधिवक्ता ने बताया कि जिस जगह पर मेघा पांडेय की कंपनी थी वह बंद हो चुकी है। आस-पास के लोगों से पूछताछ करने पर पता चला कि वह एक फर्जी कंपनी थी।

कोच नरेन्द्र हांसदा एवं सतबीर सिंह सहोता को किया गया सम्मानित

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : एलबीएसएम कॉलेज के प्राचार्य डॉ एके झा द्वारा स्पेशल कोच नरेन्द्र हंसदा एवं सहायक हेड डेलीगेट, सतबीर सिंह सहोता का स्वागत शाल ओढ़ाकर किया गया। इस अवसर पर डॉ एके झा ने कहा कि हमारे कॉलेज के विद्यार्थी राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना नाम रौशन कर रहे हैं। यह हमारे लिए गर्व की बात है।

वहीं सतबीर सिंह सहोता ने नरेन्द्र हंसदा के विषय में बताए की वह प्रति दिन 3बजे सुबह साइकिल से घर से चलकर जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स 4.30 बजे हाजिर हो जाते थे एवं साइकिल से पुनः चांडिल जाकर लोटते हैं एवं साइकिल से ही घर जाकर कॉलेज आते थे, कुल दूरी 120 किलोमीटर प्रतिदिन साइकिल

सम्मान समारोह में उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य व अन्य। ● फोटोन न्यूज

चलाने का रिकॉर्ड कायम करते थे। उनके इस समर्पण के चलते ही इन्होंने स्पेशल ओलंपिक बर्लिन (जर्मनी) 23 में 190 देशों के बीच कठिन स्पर्धा में 6 गोल्ड, 4 सिल्वर एवं एक ब्रॉन्ज मेडल हासिल करने में हमने सफलता प्राप्त की है।

इस अवसर पर कॉलेज के स्पोर्ट्स इंचार्ज, प्रो अरविन्द प्रसाद पंडित ने बताए की कॉलेज के अन्दर खेल कूद का ग्राउंड एवं स्टूडेंट्स की रुचि के चलते विधार्थी नित नए कीर्तिमान राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बनाते जा रहे हैं। इस अवसर पर डाक्टर अजय वर्मा, डाक्टर दीपक मित्रा, प्रोफ बिनोद कुमार, डाक्टर दीपांजय श्रीवास्तव, डाक्टर रानी आदि उपस्थित थे।

मेला में प्रदर्शनी लगाकर सरकारी योजनाओं का किया गया प्रचार-प्रसार

PHOTON NEWS CHAIBASA : पश्चिम सिंहभूम के खूंटपानी प्रखंड परिसर में उप जनसंपर्क निदेशक संजीव कुजूर के निदेर्शानुसार प्रमंडलीय जनसंपर्क कार्यालय द्वारा मेला सह प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। मेला सह प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी और अंचलाधिकारी खूंटपानी के द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। मौके पर उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा इस पहल का स्वागत है। इससे आम नागरिकों को सरकारी जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में आसानी से जानकारी प्राप्त हो सकती है तथा योजनाओं का लाभ कैसे प्राप्त करना है, इस संबंध में भी मेला में प्रदर्शनी के माध्यम से नागरिकों को जानकारी दी जाती है।

मेले में उपस्थित लोग। ● फोटोन न्यूज

जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में दी गई जानकारी

मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। प्रदर्शनी के स्टॉल से लोगों के बीच सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, दिव्यांग छात्रवृत्ति, फसल बीमा योजना, सोना सोबरन धोती साड़ी लुंगी योजना, फूलो झानो आशीर्वाद योजना समेत अन्य के संबंध में जागरूक किया गया। मौके पर उपस्थित ग्रामीणों के बीच अलग-अलग योजनाओं से संबंधित पम्पलेट का भी वितरण किया गया।

बाबा बैधनाथ सेवा संघ का जत्था पहुंचा देवघर के करीब

कलाकारों ने भक्तों का किया मनोरंजन

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जमशेदपुर से बाबा बैधनाथ सेवा संघ के निशुल्क कांवर यात्रा में सुल्तानगंज गए 1000 कांवरियों का जत्था गुरुवार को चौथे दिन बांका जिला के इनारावरन पंहुचा। जहां बाबा भूतनाथ धर्मशाला में कांवरियो के विश्राम और भोजन करने की व्यवस्था की गई थी। धर्मशाला में संघ के द्वारा आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने धर्मशाला मौजूद सभी कांवारियो का मन मोह लिया। भक्तों के मनोरंजन के लिए संघ के सौजन्य से श्मशान होली और शिव विवाह का भक्तिमय नृत्य का आयोजन हुआ।

बंगाल के खड्गपुर से के कलाकारों ने श्मशान होली एवं शिव विवाह का कार्यक्रम ने सभी कांवरियों को झूमने को मजबूर कर

शिवभक्तों का मनोरंजन करते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

दिया। निशुल्क कांवर यात्रा के मुख्य आयोजकर्ता विकास सिंह ने बताया की जत्थे में शामिल सभी कांवरियां स्वस्थ है। सभी उतरवाहिनी गंगा जल ले कर देवघर के लिए बढ़ रहे है, देर रात झारखण्ड प्रदेश के सीमा दुम्मा द्वार में प्रवेश करेंगें एवं बाबा बैधनाथ को जल अर्पण कर दुसरे दिन बाबा बासुकीनाथ धाम जाकर बाबा बासुकी को जलार्पण कर वापस जमशेदपुर के लिए रवाना होंगे।

झारखण्ड मानवाधिकार की पांच सदस्यीय टीम ने किया सबर बस्ती का दौरा

अपने मौलिक अधिकारों से वंचित है सबर जनजाति

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : झारखण्ड मे रहने वाले सबर जनजाति अपने मौलिक अधिकार से वंचित है, वे अपनी मूलभूत सुविधाओं को भी तरस रहे है, उक्त बातें झारखण्ड मानवाधिकार संगठन के प्रमुख मनोज मिश्रा ने पूर्वी सिंहभूम स्थित बड़ाबांकी पंचायत अंतर्गत बड़ाबांकी ग्राम में सबर बस्ती के दौरे के बाद कहीं । उन्होंने गुरुवार को अपनी पांच सदस्यीय टीम के साथ क्षेत्र का दौरा करने गए थे। उन्होनें बताया कि मामले की जानकारी राष्ट्रीय मानवाधिकार नई दिल्ली सहित, केंद्रीय जनजाति आयोग एवं जनजाति कल्याण मन्त्रालय, मुख्य मंत्री हेमंत सोरेन एवं झारखण्ड के राज्यपाल को भी ज्ञापन के माध्यम से दी गई है।

उन्होंने कहा कि मामले की जाँच करते हुए पीड़ितों को अविलंब न्याय दिलाने की मांग की है` दौरे के क्रम में टीम ने सबर परिवारों से मिल कर उनकी समस्या की जानकारी ली। साथ ही सबर

सबर जनजाति की महिला के साथ मानवाधिकार की टीम। ● फोटोन न्यूज

सरकर द्वारा प्राप्त चावल ही हमारा और हमारे बच्चों का तीनों समय का भोजन है ।पौस्टिक भोजन किसे कहते है, इसकी जानकारी उसे नही है। बच्चों को दूध नही दे पाते।

दौरे के क्रम मे तीन तीन सबर बच्चियों को अनाथ अवस्था मे पाया गया। ग्रामीणों ने बताया कि इनके माता। उनके पिता नही है इसलिए दूसरे रिस्तेदार सहयोग कर रहे है। आरती सबर 12 वर्ष, लक्ष्मी सबर 11 वर्ष एवं फूली सबर 8 वर्ष की है। जिनके सामने भविष्य अंधकारमय है। मनोज मिश्रा ने कहा कि क्षेत्र के दौरे के क्रम में दिखा कि बड़ाबांकी के लोग पानी की समस्या से ग्रसित है। अधिकांश चापाकल एवं सोलर जल मिनार या तो खराब हो गए है या दबंगो ने उसपर कब्जा करके अपने घर मे ले लिया है। दौरे के क्रम में सबर बस्ती में मिट्टी के घरों मे बिजली तो पायी गयी पर एक बल्ब घरों के बाहर दिखा। घरों के अंदर घोर अंधकार पाया गया। क्षेत्र में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी व्यवस्था उदासीन है। इस अवसर पर मनोज मिश्रा, सलावत महतो, ऋषि गुप्ता, अनिमा दास एवं सुभश्री दत्ता मौजूद थी।

श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्री वामन भगवान प्राकट्य उत्सव रहा कथा का मुख्य प्रसंग

हम सब संपत्ति के HOLDER हैं, मालिक नहीं : डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : जुगसलाई श्री राजस्थान शिव मंदिर में चल रहे सप्ताह व्यापी श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन गुरूवार को युवा भागवताचार्य गौभक्त डॉ. संजीव कृष्ण ठाकुर ने सुमधुर भजनों के साथ भगवान कपिल-मां देवहुति संवाद, भक्त ध्रुव चरित्र एवं वामन भगवान कथा के प्रसंग का सुंदर व्याख्यान किया। तृतीय दिवस की कथा में उपस्थित प्रभु कथा प्रेमियों द्वारा भगवान के मंगलमय पावन चरित्रों (जीवंत झांकियों) का आस्वादन किया गया।

श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण करती महिलाएं। ● फोटोन न्यूज

श्री वामन भगवान चरित्र कथा में महाराजश्री ने बताया कि हम संपत्ति के होल्डर हैं मालिक नहीं। जो संपत्ति आज हमारी है, वो पहले किसी और की थी व आगे भी किसी और की ही हो जाने वाली है। प्रभु कृपा से ही संपत्ति प्राप्त होती है और जब कभी प्रभु कृपा से अवसर प्राप्त हो तो अपनी संपत्ति को प्रभु का प्रसाद जानकर यथा संभव सेवा एवं पारमार्थिक यज्ञों में अवश्य आहूत करनी चाहिए। यही सीख राजा बलि की कथा से हमें प्राप्त होती है। जिसमें राजा बलि ने तन, मन व धन भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया था।

देश विदेश में सनातन संस्कृति का डंका बजाने वाले युवा कथावाचक ने भक्त ध्रुव चरित्र की कथा का विस्तार से व्याख्या करते हुए कहा कि इस कलयुग में सिर्फ भगवान का नाम लेने से मनुष्य के सारे कष्ट खत्म हो जाते हैं। ध्रुव की भक्ति के आगे भगवान विष्णु को प्रगट होना पडा था। भक्त अगर सधो मन से ईश्वर की उपासना करता है तो ईश्वर उसकी मनोकामना पूरी करने पर मजबूर हो जाते है।

युवा कथावाचक ने माता देवहूति व भगवान कपिल देव के संवाद को सुनाया। उन्होंने कहा कि एक साधु के क्या लक्षण होते हैं श्रीमद्भागवत कथा सुनने से पता चलता है। आज के समय में बहुत से लोग साधु बनकर लोगों को धोखा देते हैं। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण में जो साधु के लक्षण लिखे हैं उन्हीं से साधारण व्यक्ति को भी पता चल जाएगा कि सच्चा साधु हमेशा सहनशील, दयावान, क्षमाशील, दूसरे के दुख को देखकर दुखी होता है।

कथा विश्राम के बाद यजमान गढ़वाल परिवार (थोई निवासी राजस्थान) ने व्यासपीठ की आरती उतारी। मालीराम और घनश्याम दास गढ़वाल परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा में रोजाना कथा श्रवण करने हेतु भक्तों की भीड़ बढ़ रही हैं। चौथे दिन 21 जुलाई शुक्रवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव कथा का प्रसंग होगा।

क्यों तड़प उठी यमुना नदी

जब भी किसी भी नदी की धारा सूख जाती है, तो लोग उसमें अपना घर बना लेते हैं या तरह-तरह के अतिक्रमण कर लेते हैं और जब बारिश के दिनों में नदी अपने वास्तविक स्वरूप में लौटती है तो कहा जाने लगता है कि देखो, बाढ़ आ गई। आज जब यमुना अपना अस्तित्व बचाने के लिए पूरे सामर्थ्य के साथ दिल्ली के लोगों और दिल्ली की गंदगी दोनों से एक साथ लड़ रही है तो दिल्ली भर में हाहाकार मचा हुआ है। सच में, दिल्ली द्वारा दिए गए कष्ट से ही तड़प उठी है यमुना। दिल्ली को अपनी यमुना को तो हर सूरत में बचाना ही होगा। हालत यह बन गई है कि जो यमुना दिल्ली की जीवन रेखा मानी जाती थी, अब उसमें तमाम शहर की गंदगी, गंदे कपड़े, कबाड़, पॉलिथीन, मरे जानवर, फैक्ट्रियों-कारखानों से निकलने वाले जहरीले रासायनिक तत्व मिलाए जा रहे हैं। जो यमुना नदी दिल्ली की जीवन रेखा थी आज वह खुद ही अपने जीवन की भीख मांग रही है। इस बार तो दिल्ली सरकार के केंद्र, दिल्ली सचिवालय से लेकर राजघाट, शांतिवन, शक्ति स्थल, सुप्रीम कोर्ट और निगम बोध घाट तक में चला गया यमुना में आई बाढ़ का पानी। बाढ़ ने इन सबके दरवाजे बंद करवा दिए। दिल्ली के पुराने मोहल्ले, कटरों, कूचों, गलियों, बाडो के बाशिंदे इसे कभी 'यमुना नदी' कहकर नहीं पुकारते, आज भी उनकी जुबान पर 'जमुना जी' चढ़ा है। यमुना कभी भी इनके लिए एक नदी नहीं रही। वे जमुना जी में स्नान करके खुद को धन्य, मोक्ष की प्राप्ति समझते थे। जब दिल्ली, कश्मीरी गेट, लाहौरी गेट, अजमेरी गेट, दिल्ली गेट तक ही सीमित थी, तो यहां के रहने वालों के लिए रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का जरिया भी थी जमुनाजी। पीने का पानी, किनारे पर पैदा होने वाली साग-सब्जी, गाय-भैंस को पानी पिलाने, नहलाने, तैराकी के मेले, मरघट वाले हनुमान बाबा का मंदिर। दिल्ली की बुजुर्ग महिलाओं का भोर में ही जमुनाजी जाकर स्नान ध्यान करना आम बात थी। यमुना में आई बाढ़ से सिर्फ गरीब-असहाय ही कष्ट में नहीं हैं। धनी और असरदार लोगों को भी जमुना जी ने उनकी सही ताकत का अहसास करा दिया। यमुना के करीब सिविल लाइंस में बनी विशाल कोठियां भी पानी-पानी हो गईं। साधना टीवी के सीईओ और प्रधान संपादक राकेश गुप्ता के सिविल लाइंस वाले घर की बेसमेंट और पहली मंजिल में बाढ़ का पानी चला गया। उन्हें और उनके परिवार को नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स (एनडीआरएफ) के जवान नावों में सुरक्षित स्थानों पर लेकर गए। राकेश गुप्ता कह रहे थे कि वे जब नाव पर बैठे थे तो वे यह सोच रहे थे कि इंसान को हमेशा बुरे वक्त को याद रखना चाहिए। बुरा वक्त बहुत कुछ सिखा जाता है। बहरहाल, इसी सिविल लाइंस के एक घर में बाबा साहेब अंबेडकर ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष गुजारे। इसी सिविल लाइंस मेट्रो स्टेशन के करीब 1925 में बने दिल्ली ब्रदरहुड हाउस में बाढ़ का पानी नहीं घुस पाया। पर पानी गुरु जम्भेश्वर धर्मशाला तक पहुंच गया था। यानी दिल्ली ब्रदरहुड हाउस को लगभग स्पर्श कर गया। यहां से ही फिलहाल दिल्ली डाइआसिसन बोर्ड के समाज सेवा से जुड़े काम होते हैं। इनके कार्यकर्ता आजकल राजधानी के बाढ़ प्रभावित इलाकों में भोजन, फल और दवाइयां बांट रहे हैं। इनका अधिकतर काम यमुना पुश्ते पर चल रहा है। बाढ़ ने पुश्ते के आसपास रहने वाले लाखों लोगों को अपनी चपेट में लिया। दिल्ली डाइआसिसन बोर्ड राजधानी के गिरिजाघरों, ईसाई समाज की तरफ से संचालित स्कूलों, ओल्ड एज होम वगैरह का प्रबंधन करता है। इस बाढ़ ने दिल्ली के मानवीय पक्ष को उभारा। दिल्ली ब्रदरहुड सोसायटी समेत बहुत से समाजसेवी संगठन बाढ़ प्रभावित लोगों को पहुंचाने लगे। इस बीच, अगर इतिहास के पन्नों को खंगालें तो हम देखते हैं कि 1857 के गदर में मेरठ के विद्रोहियों ने कश्मीरी गेट से दाखिल न लेकर दिल्ली गेट से इसलिए दाखिला लिया, क्योंकि बचाव के लिए सामने यमुना नदी थी। बहादुरशाह जफर को भी यमुना नदी ने ही बचाया था जब गोरी हुकूमत की फौज ने दिल्ली की घेराबंदी कर ली। तो बादशाहजफर नदी के रास्ते एक नाव पर सफर करके सुरक्षित हुमायूं के मकबरे में पहुंच गए। यमुनाजी बादशाहों से लेकर गुरबत में रहने वाले सबके लिए एक वक्त मनोरंजन का साधन थी। इतिहास के पन्नो को खंगालेंगे तो पता चलेगा कि शाहजहां जमुना में नाव चला कर लुत्फ उठाता था। वहीं दिल्ली की गरीब जनता जमुनाजी के घाटों की बुलंदियों से छलांग लगाकर पानी में कूदकर तैरते हुए आगे निकलने के हुनर का इजहार करते थे। नावों में बैठकर नौजवानों की टोली दूसरी नाव में सवार टोली से टक्कर लेने के लिए जोर-जोर से चप्पू तथा लंबे बांस के सहारे आगे निकालने का जी तोड़ प्रयास करती थी। राजधानी होने के कारण बढ़ती आबादी तो मुख्य जिम्मेदार है ही। दिल्ली के यमुना किनारे खादर में लगभग 36 नई सौ कालोनियां बसा दी गईं। यमुना के अधिकार क्षेत्र वाली जमीन पर स्वामीनारायण मंदिर, कॉमनवेल्थ अपार्टमेंट, दिल्ली सरकार का नया सचिवालय, इंद्रप्रस्थ इंदौर स्टेडियम इंटरस्टेट बस अड्डा का नया डिपो , बिजली घर जैसी इमारतें बना दी गई। अनुमान है कि यमुना तकरीबन डेढ़ मील पूरब की तरफ सरक गई। यमुना की बदहाली को लेकर 1978 से 1983 तक दिल्ली विकास प्राधिकरण, बाढ़ सिंचाई विभाग, दिल्ली जल बोर्ड ने यमुना से प्रदूषण खत्म करने के लिए बड़ी-बड़ी स्कीमें बनाई, सर्वे किये, रिपोर्ट बनाई परंतु वह कागजी कार्रवाई तक ही मौजूद रही। वाटर टैक्सी चलाने का प्लान भी तैयार हुआ। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) अब तक करीब दो दर्जन मास्टर प्लान बना चुका है। हर प्लान में यमुना को लेकर कई प्रावधान किए गए, परंतु हुआ वही, ढाक के तीन पात।

नई शिक्षा नीति और सीखने-सिखाने की संस्कृति का विकास

ANALYSIS

गिरीश्वर मिश्र

दुर्भाग्यवश कोरोना की लम्बी महामारी के दौरान लड़खड़ाती पुरानी व्यवस्था भी बेपटरी हो गई और नई नीति भी शिक्षा का स्वभाव बदलने के लिए आगे बढ़ी। इन सबके बीच अस्त-व्यस्त शिक्षा व्यवस्था नई चुनौतियों से जूझ रही है। इस बीच जनसंख्या की दृष्टि से अब जब भारत विश्व में प्रथम स्थान पर पहुँच चुका है इसकी युवा पीढ़ी संख्या की दृष्टि से अब अधिक अपेक्षा करती है। वर्ष 2020 में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारत की औपचारिक शिक्षा की चुनौतियों और संभावनाओं को पहचान कर उसका आकलन करते हुए समर्थ भारत के निर्माण के लिए शिक्षा के आयोजन के लिए एक खाका प्रस्तुत किया था। इस नीति के आने के साथ ही औपचारिक शिक्षा से जुड़े हितधारकों में चचाएं शुरु हो गईं। नीति की संस्तुतियों को शिक्षा में सुधार की सकारात्मक पहल मानते हुए सबके द्वारा इसका स्वागत किया गया। जुलाई 2020 में प्रस्तुत की गई इस नीति से जुड़ी कार्य योजनाएं दिसंबर 2020 तक आने लगीं।

कहा जाता है धरती पर ज्ञान जैसी कोई दूसरी पवित्र वस्तु नहीं है। भारत में प्राचीनकाल से ही न केवल ज्ञान की महिमा गाई जाती रही है बल्कि उसकी साधना भी होती आ रही है। इस बात का असंदिग्ध प्रमाण देती है काल के क्रूर थपेड़ों के बावजूद अभी भी शेष बची विशाल ज्ञान राशि। अनेकानेक ग्रंथों तथा पांडुलिपियों में उपस्थित यह विपुल सामग्री भारत की वाचिक परम्परा की अनूठी उपलब्धि के रूप में वैश्विक स्तर पर अतुलनीय और आश्चर्यकारी है। यह हमारे लिए सचमुच गौरव का विषय है कि आज जैसी उन्नत संचार तकनीकी के अभाव में भी मानव स्मृति में भाषा के कोड में संरक्षित होकर यह सब जीवित रह सका। इस परम्परा में मनुष्य के जीवन में होने वाले आरम्भ में विकास और उत्तर काल में ह्रास की अकाट्य सच्चाई को स्वीकार करते हुए मनुष्य को जीने के लिए तैयार करने की व्यवस्था की गई थी। ज्ञान केंद्रित भारतीय संस्कृति के अंतर्गत अभ्यास और गुरु के संरक्षण में मिलने वाली शिक्षा का परिणाम व्यास, पाणिनि, पतंजलि, वाल्मीकि, कणाद, गौतम, जैमिनि, भरत, कालिदास, भर्तृहरि, बाणभट्ट, भवभूति, चाणक्य, आर्यभट्ट, वराहमिहिर, चरक, सुश्रुत, शंकराचार्य आदि जैसी महान विभूतियों और उनकी अमूल्य कृतियों के रूप में प्रतिफलित हुआ। गुणवत्ता और शिक्षा की उत्कृष्टता की दृष्टि से नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे विद्या केंद्रों की वास्तविकता विश्व विदित है। बर्तानवी उपनिवेश के दौर में भारत की अपनी शिक्षा व्यवस्था को समूल उखाड़ कर अंग्रेजी शिक्षा का जो बिरवा रोपा गया था वह स्वतंत्र भारत में विशाल वृक्ष बन कर किस प्रकार छाता गया और हम किस स्थिति में पहुँचे हैं यह बताने की आवश्यकता नहीं है। इस प्रकार की शिक्षा की प्रक्रिया और उसके सामाजिक स्तर पर होने वाले परिणाम सबके सामने हैं । देश की आवश्यकता और वर्तमान वैश्विक संदर्भ में शिक्षा का ढाँचा और प्रक्रिया में बदलाव लाने की दृष्टि से पाँच वर्ष लम्बे विचार विमर्श के बाद 2020 में नई शिक्षा नीति का मसौदा लाया गया । दुर्भाग्यवश कोरोना की लम्बी महामारी के दौरान लड़खड़ाती पुरानी व्यवस्था भी बेपटरी हो गई और नई नीति भी शिक्षा का स्वभाव बदलने के लिए आगे बढ़ी। इन सबके बीच अस्त-व्यस्त शिक्षा व्यवस्था नई चुनौतियों से जूझ रही है। इस बीच जनसंख्या की दृष्टि से अब जब भारत विश्व में प्रथम स्थान पर पहुँच चुका है इसकी युवा पीढ़ी संख्या की दृष्टि से अब अधिक अपेक्षा करती है। वर्ष 2020 में आई राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने भारत की औपचारिक शिक्षा की चुनौतियों और संभावनाओं को पहचान कर उसका आकलन करते हुए समर्थ भारत के निर्माण के लिए शिक्षा के आयोजन के लिए एक खाका प्रस्तुत किया था। इस नीति के आने के साथ ही औपचारिक शिक्षा से जुड़े हितधारकों में चचाएं शुरु हो गईं। नीति की संस्तुतियों को शिक्षा में सुधार की सकारात्मक पहल मानते हुए सबके द्वारा इसका स्वागत किया गया। जुलाई 2020 में प्रस्तुत की गई इस नीति से जुड़ी कार्य योजनाएँ दिसंबर 2020 तक आने लगीं। पिछले तीन वर्षों में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा एवं शोध के लिए सरकार ने जो कुछ भी कहा, सुना और किया, उसे नीति के क्रियान्वयन का हिस्सा बनाया गया। समग्र शिक्षा अभियान की अवधि को 2025-26 तक बढ़ा दिया गया। इसे नई शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का माध्यम बनाया गया। 8 अप्रैल 2021 को सार्थक (स्टूडेंट्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट थ्रो क्वालिटी एजुकेशन) नाम से एक वृहद् कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। यह कार्ययोजना वर्तमान में एक मार्गदर्शिका की भूमिका में कार्य कर रही है। किसी भी राज्य की विद्यालयी शिक्षा से जुड़ी आधिकारिक वेबसाइट पर इसके आलोक में बनाई जा रही योजनाओं का ब्योरा देखा जा सकता है। इसका उपयोग नीति के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की उपलब्धि को मापने के लिए भी किया जा रहा है। ध्यातव्य है कि नीति की एक प्रमुख संस्तुति आधारभूत साक्षरता और गणितीय योग्यता का संवर्धन करना था। इस दिशा में पहल करते हुए 5 जुलाई 2021 को ह्यनिपुण भारत अभियानह्न शुरू किया गया। इस अभियान का लक्ष्य रखा गया कि वर्ष 2026-27 में कक्षा तीन तक के बच्चे पढ़ने और गिनने की आधारभूत क्षमता से युक्त हो जांय । नीति के क्रियान्वयन की एक मुख्य एजेंसी एनसीईआरटी है। इसने इस दिशा में पहल करते हुए 29 जुलाई 2021 को विद्या प्रवेश नाम के खेल आधारित माड्यूल प्रस्तुत किया। इस संस्था के द्वारा आधारभूत स्तर (फाउंडेशनल स्तर) के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा प्रस्तुत की जा चुकी है। प्राथमिक और माध्यमिक स्तर की विद्यालयी शिक्षा के लिए भी राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा का एक मसौदा चर्चा और फीडबैक के लिए आ चुका है। एनसीईआरटी ने सेवारत अध्यापकों के पेशेवर विकास के लिए संचालित निष्ठा कार्यक्रम को भी नीति के अनुसार सुधार कर संयोजित किया है। यह भी गौरतलब है कि लगभग हर तीन महीने पर किसी न किसी योजना का शुभारम्भ किया जा रहा है। इसके अंतर्गत विद्याजंलि और पीएम श्री योजना प्रमुख रूप से उल्लेखनीय है। भारत सरकार का शिक्षा मंत्रालय 2020 के बाद जिस किसी भी कार्यक्रम और योजना को आरंभ कर रहा है कि उसे शिक्षा नीति के क्रियान्वयन की शक्ल में प्रस्तुत कर रहा है। यह राहत की बात है कि केंद्र सरकार ने विगत वर्षों की तुलना में अपने शिक्षा बजट में लगभग 11.86 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। उच्च शिक्षा के स्तर पर किसी केंद्रीकृत सुधार की जगह विश्वविद्यालय और राज्य सरकारों के स्तर पर सुधार के कुछ प्रयास हो रहे हैं। अधिकांश विश्वविद्यालयों की वेबसाइटों पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की कार्ययोजना का ब्योरा देखा जा सकता है। ये कार्य योजनाएँ शिक्षा नीति से सूत्र को पहचानती हैं और इसके क्रियान्वयन का चरणबद्ध प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। इनमें पाठ्यचर्या और शिक्षण प्रक्रिया में सुधार और आकलन की लचीली पद्धति का उल्लेख किया जाता है। एकेडमिक बैंक आफ क्रेडिट के विकास को जरूर बड़े पैमाने पर लागू किया गया है। हर विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के नाम पर नए तरह के अध्ययन कार्यक्रमों को आरंभ करने की योजना बनाने में अग्रसर हो रहा है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा उत्साह पोर्टल आरंभ कर नीति क्रियान्वयन की निगरानी की कोशिश भी की जा रही है। इसके लिए बहुअनुशासनात्मकता, डिजिटल संसाधनों का अधिकाधिक प्रयोग, कौशल विकास, शोध, नवाचार, उद्यमिता और भारतीय भाषाओं में उच्च शिक्षा के अवसरों को को लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों की कार्ययोजना की निगरानी और उन्हें सहयोग देने का प्रयास जारी है। इस नीति के क्रियान्वयन का सकारात्मक परिणाम यह भी है कि उच्च शिक्षा के परिसरों में भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाएँ अब एक महत्वपूर्ण घटक की तरह पहचानी जा रही हैं किंतु अभी यह रस्मी तौर पर हड़बड़ी में ही हो रहा है और शिक्षा की मुख्य धारा से इसका कोई आर्गेनिक रिश्ता नहीं बन पा रहा है। नेशनल रिसर्च फाउंडेशन खड़ा कर शोध में सुधार हेतु 2023-28 के लिए पचास हजार करोड़ रुपए आवंटित करने की खबर आई है। विद्यालय स्तर पर नीति के प्रभाव में आवंटित वित का प्रस्तुतीकरण और समायोजन नए वर्गों में हो रहा है लेकिन आधारभूत समस्याएँ पूर्ववत ही ज्यों की त्यों बनी हुई हैं। विद्यालयों में सीखने के कुछ संसाधन जरूर उपलब्ध हो रहे हैं परंतु सीखने-सिखाने की संस्कृति में कोई बदलाव नहीं हो रहा है। आज भी मास्टर साहब प्रशिक्षण लेने और देने में व्यस्त हैं। सरकार की अन्य योजनाओं के क्रियान्वयन का हिसाब-किताब का बोझ उनके ही कंधों पर अभी भी जारी है। केंद्रीकृत योजनाओं का विभिन्न माध्यमों से प्रचार का काम विधिवत किया जा रहा है लेकिन विद्यालय स्तर पर इन्हें लेकर उदासीनता ही छाई हुई है। नई पाठ्यपुस्तकों के आने की सुगबुगाहट के बीच उनकी सामग्री की गलत सही आलोचना के दौर शुरू हो चुके हैं। यदि सरकारी तंत्र को छोड़ दिया जाए तो यह नीति सरकारी विद्यालयों पर जनता में भरोसा विकसित करने की दिशा में कोई खास प्रभाव छोड़ती नजर नहीं आ रही है।

लेखक, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा के पूर्व कुलपति हैं।

चित चोर चित्तौड़-चहुं ओर प्रभाष...

चौदह बरस की निरंतरता कम नहीं होती। दिल्ली, इंदौर होते हुए 'यादों की बारात' इस साल चित्तौड़ पहुंच रही थी। प्रसंग वही प्रभाष जोशी जी की यादों से जुड़ने का। 15 जुलाई (प्रभाष जी की जयंती) को देश का 'दिल' दिल्ली जब पूरी तरह जागी भी नहीं थी, तब हिमाचल भवन के सामने उनके (प्रभाष जी) अनुयायियों की तरुणाई अंगड़ाई ले चुकी थी। एक-एक कर लोग पहुंच रहे थे। कई तो समय से पहले ही जम गए। इन्हीं में एक यह अकिंचन भी था। प्रभाष प्रसंग में जाने वालों में तीन पीढ़ियां- पहली, जिन्होंने उनके संग सत्संग या सत्कार्य किए। दूसरी, वह जो कुछ समय के लिए ही सही उनका सानिध्य सुख प्राप्त और तीसरी, नाम-काम-धाम से प्रभावित। तीन वर्ग-पुरुष, महिला और बच्चे। बस से जाने वालों में प्रभाष जी के पुत्र संदीप और पुत्रवधू उमा जोशी भी। दोनों उन्हीं की तरह अहम-वहम से दूर। बसों की प्रतीक्षा बरबस हर वाहन की घर्र-घर्र पर हमारी ही क्या सभी की निगाह आड़ी-तिरछी कर देती। बस यात्रियों की इसी भीड़ के बीच एक कम वजनी (अंडर वेट) महिला बेझिझक पेट के लिए सभी से 'वजन' तुलवाने का अनुरोध कम गिड़गिड़ा सी ज्यादा रही थीं। उधर, एक एकांत में कलाकार आदित्य अपनी कला को निखारने की मौन साधना में रमे थे। यह हमें पता भी न चलता अगर युगवार्ता और नवोत्थान के संपादकीय विभाग के सदस्य छोटे कद और बड़े संकल्प वाले तिवारी जी (पूरा नाम नहीं पता) यह कहकर ध्यान आकर्षित न करते- 'आपकी फोटो बन गई..' कुरूप हो या सुरूप। अपनी फोटो के लालच से भला कौन ऊपर? चाय की चुस्कियों के बीच भाई राकेश सिंह ने सूचना दी- बस थोड़ी देर और! खैर, इंतजार खत्म हुआ और दो बसें आ पहुंची। जाने और जानने की जल्दी में जल्दी-जल्दी सबने सामान धरा और बस में स्थापित। दस मिनट में प्रकिया पूरी और शुरू हो गई प्रभाष प्रसंग से जुड़ी एक और यादगार बनने वाली चित्तौड़ यात्रा। बच्चों में प्रभाष स्मृति का बीजारोपण और हम जैसों को खाद-पानी का सुयोग। यात्रा के अर्द्ध भाग में बस के अंदर सर्वोदयी रमेश चंद शर्मा के सर्वोदय गीत- 'हिम्मत से पतवार संभालो फिर क्या दूर किनारा ओ माझी' और ग्राम दान से बन जाएगा गोकुल अपना गांव रे.. की मनमोहक प्रस्तुति ने कुछ और ही माहौल बना दिया। होते-करते रात 11 बजे हम सब चित्तौड़ मेवाड़ विवि के परिसर में दाखिल हो ही गए। 12 घंटे से अधिक इस यात्रा की थकान बड़ों में न छोटों में। पुरुषों में न स्त्रियों में। कमरे में सामान रख, मुंह हाथ धोकर सब उसी दिशा में बढ़ चले, जिधर अन्नपूर्णा माई का वास था। बिल्कुल वैसे ही जैसे- चल पड़े उधर ही कोटि पग...। रात में अन्नपूर्णा माई से मुलाकात के वक्त ही नाश्ते के लिए सुबह साढ़े आठ बजे की ताकीद कर दी गई थी। सो, सब तैयार। भरपेट स्वादिष्ट नाश्ते के बाद शुरू हुआ सिलसिला प्रभाष प्रसंग का। विवि के महाराणा प्रताप सभागार में सबसे पहले वही 'कबीर गायन' जो प्रभाष जी की पसंद था और जीवन का आधार भी। पहले विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट विभाग के अध्यक्ष डॉ. त्रिगुनातीत जैमिनी, हरिओम गंधर्व व रोशनी कसौधन की प्रभावी प्रस्तुति और बाद में भीलवाड़ा की सांस्कृतिक संस्था रसधारा के कलाकारों की प्रार्थनाएं । मुख्य समारोह के पहले लोक गायक प्रहलाद सिंह टिपानिया ने कबीर के पद सुंदर और मधुर वाणी में सुनाकर एकबार फिर मंत्र मुग्ध कर दिया। यह वही टिपानिया हैं, जिन्हें प्रभाष जी ने ही पहचान दिलाई और सही-सच्चे मुकाम तक पहुंचाया। चित्तौड़ की अपनी यह पहली यात्रा थी। मेरी ही तरह पता नहीं कितनों की होगी? चित्तौड़ की लड़ाइयां विश्व प्रसिद्ध हैं। मौर्यवंशी, गुहिलवंशी, राजपूताना, मुगलों और गुजरात के सोलंकी शासकों के अधीन रह चुके चित्तौड़ की गाथाएं तो खूब हैं पर पन्ना धाय का अध्याय वाकई में चित्त चुरा लेता है। इतिहास में ऐसा कोई दूसरा अध्याय कहां? इस समृद्ध इतिहास के बावजूद चित चोर चित्तौड़ की इस यात्रा में चहुं ओर प्रभाष जी ही थे। बलिया के सांसद वीरेंद्र सिंह हों या पूर्व सांसद महेश चंद्र शर्मा या केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान या पद्मश्री विजय दत्त श्रीधर। सब उन्हीं गुणों का गान कर रहे थे, जो प्रभाष जी के सरल-तरल-विरल व्यक्तित्व में समाए थे। चूंकि किसी काम को करने के लिए एक नाम जरूरी है। कहने के लिए इस सब आयोजन का करता-धरता तो प्रभाष परंपरा न्यास है पर मेरुदंड तो राम बहादुर राय जी ही हैं। प्रभाष जी की तरह ही नाम से ज्यादा काम पर ध्यान। यकीन न हो तो 13हवें प्रसंग में बीएचयू के प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी के प्रभाष जोशी स्मारक व्याख्यान की उस मुद्रित 'पुस्तिका' पर गौर फरमाएं, जिसमें नाम न परंपरा न्यास का है, न राम बहादुर राय या अन्य किसी का। परंपरा ऐसे ही बनती है, बचती है और बढ़ती भी। अक्सर देखा जाता है कि नाम के फेर में काम पीछे छूट जाते हैं। इसमें कोई दो राय नहीं कि काम करने वालों को नाम बताने की जरूरत नहीं पड़ती। आयोजन के लिए चित्तौड़ के चुनाव पर कुछ सवाल उठे। यह भी राय साहब के संबोधन से ही सबको या कहें खासतौर से हमें मालूम चला। इसीलिए प्रभाष प्रसंग चित्तौड़ में क्यों? का जवाब राय साहब को देना ही था। राय साहब ने दिया भी-'इसलिए कि मेवाड़ विवि के कुलाधिपति डॉ अशोक कुमार गदिया जोशीले हैं और जिद्दी भी। उन्होंने अपने विवि के गांधी संग्रहालय को प्रभाष जी की स्मृति से जोड़ा है। प्रभाष जोशी स्मृति गांधी संग्रहालय का उद्घाटन प्रभाष प्रसंग के कार्यक्रम के अवसर पर ही संपन्न कराने का उनका संकल्प था। कई वर्षों से यह संकल्प अधूरा था। इसलिए उनकी इच्छा पर ही इस बार का प्रभाष प्रसंग चित्तौड़ में।' प्रभाष जी की स्मृतियों से जुड़े इस संग्रहालय की बाहरी दीवार पर संग्रहकर्ता कलाकार सिद्दीक अहमद मंसूरी ने गांधी जी के 151 चित्र बनाकर न केवल अपनी कला बल्कि अपनी गांधीवादिता का प्रमाण भी दिया है।

समान संहिता पर अनुचित आपत्तियां

जबसे समान नागरिक संहिता लागू करने की बात छिड़ी है, तबसे आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड और दूसरे कई मुस्लिम संगठनों के साथ अनेक दल इस संहिता का विरोध करने में जुटे हैं। मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड ने समान नागरिक संहिता को इस्लाम के शरिया कानून के विरुद्ध गैर-इस्लामी बताया है। उसके अनुसार किसी मुसलमान की ओर से इस संहिता को नहीं अपनाया जा सकता। चूंकि मैं स्वयं इस्लाम का अनुयायी एवं शोधार्थी हूं, इसलिए मेरा कर्तव्य है कि मैं मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड की इस अनुचित आपत्ति की असलियत सभी नागरिकों और विशेष रूप से मुस्लिम भाई-बहनों के सामने रखूं, ताकि वे इस्लाम की सही शिक्षाओं को समझते हुए मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड जैसी स्वयंभू संस्थाओं के मनचाहे इस्लाम से पीछा छुड़ाएं और कुरान तथा पैगंबर मोहम्मद साहब की शिक्षाओं में दिए गए निर्देशों के अनुरूप भारतीय संविधान का पालन करें। समान नागरिक संहिता का राष्ट्र के सभी नागरिकों के लिए समान होना अनिवार्य है। भारत में सभी नागरिकों के लिए समान संहिता बनाने का निर्देश संविधान के अनुच्छेद 44 में है। जब इस्लाम का उदय हुआ, तब पैगंबर मोहम्मद साहब ने प्राथमिक रूप से लोगों में एक ईश्वर के प्रति आस्था और शिष्टाचार लाने के उपरांत वहां की परिस्थितियों के अनुरूप एक इस्लामी राज्य की स्थापना की। इसका उद्देश्य सभी मुस्लिमों और दूसरे नागरिकों को व्यवस्थित तथा सुरक्षित रखना था। कुरान की शिक्षाओं से यह स्पष्ट होता है कि इस्लामी राज्य ईश्वर की इच्छानुसार लोगों को व्यवस्थित करने का एक मार्ग है, लेकिन यह मार्ग केवल तभी संभव है, जब ईश्वर का दूत यानी पैगंबर स्वयं धरती पर हो (कुरान 42/13, 09/33)। यदि ईश्वर का दूत धरती पर नहीं है तो मुस्लिमों को इस्लामी राज्य के अधीन होना अनिवार्य नहीं है। कुरान के साथ मोहम्मद साहब की शिक्षाओं, जिन्हें हम हदीस कहते हैं, को पढ़ने से भी यह स्पष्ट हो जाता है कि मुस्लिम होने के लिए किसी व्यक्ति को अल्लाह में विश्वास, पांच बार की नमाज अदा करना, रमजान के महीने में रोजा रखना, साल में एक बार जकात देना और यदि संभव हो तो हज करना आवश्यक है। जब कोई मुस्लिम किसी इस्लामी राज्य में न हो तो फिर वहां की नागरिक एवं दंड संहिता का इस्लामी होना आवश्यक नहीं होता। कुरान में स्पष्टता से कहा गया है कि ईश्वर में आस्था रखना और अच्छे कर्म करना किसी भी व्यक्ति की सफलता के लिए आवश्यक है। यही बात हदीसों में भी बार-बार साफ तौर पर कही गई है। इसी सबकी पुष्टि भारतीय मुसलमान निरंतर करते चले आ रहे हैं, क्योंकि आपराधिक मामलों में वे भारतीय दंड संहिता को बिना किसी आपत्ति के अपनाए हुए हैं। अतः यह कहना कि ईश्वर की किताब में बताए गए कानूनों एवं दिशानिर्देशों के पालन के बिना कोई व्यक्ति इस्लाम में नहीं रह सकता, एक अंतर्विरोध भरी गलत बात है। इसे भी समझ लिया जाना चाहिए कि मुस्लिम पर्सनल ला इस्लाम की किताबों पर उलेमाओं की अपनी-अपनी समझ का नतीजा हैं, न कि कुरान और हदीस में बताई गई बातों का एकमत स्वरूप। अगर शरिया कानून कुरान और मोहम्मद साहब की शिक्षाओं के अनुरूप होता तो फिर मुस्लिम समाज में उसे लेकर अलग-अलग व्याख्याएं नहीं होतीं। हाल में किए गए कुछ सर्वेक्षणों से यह स्पष्ट है कि देश में तमाम मुस्लिम महिलाएं इस्लामी किताबों की अलग-अलग व्याख्याओं के माध्यम से बनाए गए मुस्लिम पर्सनल ला की जगह समान नागरिक संहिता को अपनाना चाहती हैं। एक मीडिया संस्थान ने देश के 25 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में आठ हजार से भी अधिक मुस्लिम महिलाओं से समान संहिता पर राय जानने के लिए एक सर्वेक्षण किया।

Social Media Corner

सच के हक में...

मातृभूमि के लिए अनेक बार जेल जाने वाले बटुकेश्वर दत्त जी आजादी के ऐसे दीवाने थे जिन्हें काला पानी की सजा भी नहीं डिगा सकी। बटुकेश्वर जी का जीवन संघर्ष व देशभक्ति का अप्रतिम उदाहरण है जो युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा। ऐसे आजादी के नायक को उनकी पुण्यतिथि पर बारम्बार नमन।

(गृह मंत्री अमित शाह के ट्विटर अकाउंट से)

एक तरफ देश को विश्वगुरु बनाने की बात हो रही, दूसरी तरफ मणिपुर से भयानक मंजर देखने को मिल रहा है। मणिपुर में हुई निंदनीय घटना से जुड़े वीडियो पर मेरा वक्तव्य।

(सीएम हेमंत सोरेन के ट्विटर अकाउंट से)

मणिपुर में एक बिटिया के साथ हुई वीभत्स घटना हम सबको लज्जित करने वाली है। सवाल राजनीति और पुलिस प्रशासन का नहीं है सवाल है कि एक सभ्य समाज के रूप में हमारे विचार, हमारी दृष्टि कितनी पतित होती जा रही है। मुकदमा दर्ज हो चुका है, आरोपियों की गिरफ्तारी हो रही है। ऐसे लोग पूरी मानवता के हत्यारे हैं। इन्हें फांसी होनी चाहिए। मणिपुर सरकार फास्ट ट्रैक कोर्ट बनवाकर इन दरिंदों को जल्दी फाँसी दिलवाये। ताकि फिर कोई ऐसा करने के बारे में सपने में भी नहीं सोचे।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी के ट्विटर अकाउंट से)

I WANT TO SAY...

THE PHOTON NEWS

आखिर रिम्स प्रबंधन ने सख्ती दिखाते हुए एमबीबीएस छात्रों से हास्टलों को खाली करा ही लिया। प्रबंधन की सख्ती को देखते हुए अंडरग्रेजुएट सत्र 2019-22 के छात्रों ने हास्टल खाली कर दिया। इसके पूर्व पूरे दिन छात्रों ने दबाव बनाने की कोशिश की। रिम्स के निदेशक की कार रोकी गई। छात्र हर हाल में हास्टल खाली कराने का निर्देश वापस लेने की मांग पर अड़े रहे। छात्रों का कहना था कि कुछ छात्रों की गलती की सजा पूरे बैच को क्यों दी जा रही है। छात्राओं का कहना था कि हास्टल में उनका काफी सामान है सामान लेकर कहां जाएंगे। करीब दो घंटे तक रिम्स प्रबंधन कार्यालय के बाहर हंगामे की स्थिति बनी रही। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल की तैनाती करनी पड़ी। तमाम कवायदों के बावजूद आखिरकार छात्रों को हास्टल खाली करना पड़ा। दरअसल, रिम्स के हास्टल में रह रहे छात्रों पर अनुशासनहीनता का आरोप लगा था। वे हास्टल के नियमों का लगातार उल्लंघन कर रहे थे। देर रात पार्टियों का दौर चलता रहता था। रात-रात भर छात्र-छात्राएं हास्टल से गायब रहते थे। जब मन किया आये जब मन किया चले गए। इसके अलावा मारपीट की घटनाएं भी आम हो चुकी थीं। आखिरकार रिम्स प्रबंधन एक्शन मोड में आया और सख्ती दिखानी शुरू की। छात्रों को नोटिस जारी की गई। हास्टल खाली करने को कहा गया। दरअसल मेडिकल छात्रों की मनमानी कोई नई नहीं है। रिम्स में ही नहीं, तमाम मेडिकल कालेजों में इस तरह की अनुशासनहीता की बातें सामने आती रही हैं। प्रबंधन का कदम उचित है। भविष्य के डाक्टरों में अनुशासन तो होना ही चाहिए। अब देखनेवाली बात यह है कि आगे ये छात्र नियमों के दायरे में रह पाते हैं या नहीं।

मोहम्मद महताब आलम, ग्रामीण कांग्रेस जिला महासचिव।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

सीपीएम ने बिजली समस्याओं को लेकर किया घेराव

ROURKELA : राउरकेला क्षेत्रीय समिति की ओर से राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक बिजली बिल मुफ्त करने की मांग को लेकर गुरूवार को टाटा पावर कार्यालय का घेराव किया। सदस्यो ने बिल बढ़ोतरी और बार-बार बिजली कटौती रोकने, मीटर रीडिंग और बिलिंग में पारदर्शिता लाने को लेकर टाटा पावर प्राइवेट लिमिटेड से मांग की।उपभोक्ताओ के शोषण नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की।

बस से टकराकर बाइक सवार घायल, हालत गंभीर

ROURKELA : शहर में गुरुवार सुबह हनुमान वाटिका चौक में तेज रफ्तार से आ रही एक बाइक की बस टक्कर हो गई। इससे युवक बुरी तरह घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बाइक चालक युवक को पहले गवर्मेंट हॉस्पिटल भेजा गया, जहाँ उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे जेपी हॉस्पिटल में स्थानांतरित किया गया। दुर्घटना हनुमान वाटिका से राउरकेला महानगर निगम की ओर जाने के क्रम में यह दुर्घटना हुई है।

जलजमाव की समस्या से लोग परेशान, निगम लापरवाह

ROURKELA : राउरकेला महानगर निगम के वार्ड नंबर 26 के तृप्ति लाइट गली और हरियाणा भवन के पिछले बस्ती में हाई ड्रेन का गंदा पानी गली में प्रवेश करने से परेशान है। यह समस्या आरएमसी के द्वारा बनाए गए नए ड्रेन की वजह से हो रही है। लगभग 8 से10 फुट की चौड़ाई वाले इस हाइड्रेन राउरकेला महानगर निगम ने लाखों रुपया खर्च करके बनवाया ताकि लोगों की समस्या दूर हो सके परंतु ठेकेदार और महानगर निगम की इंजीनियर ने ठीक से यह कार्य नहीं करवा पाए जिससे समस्या उत्पन्न हुई है। इसी तरह तृप्ति लाइट गली और हरियाणा भवन वाली गली के पिछले हिस्से की बस्ती ऐसे ही हाइ ड्रेन की गंदे पानी की समस्या से जूझ रहे है। महानगर निगम में शिकायत करने के बावजूद इसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इस समस्या के कारण लोगों का महानगर निगम के प्रति असंतोष बढ़ रहा है।

विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को टोकलो मैदान में होगा कार्यक्रम

CHAKRADHARPUR : आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर टोकलो मैदान में कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। इसे लेकर गुरुवार को चक्रधरपुर के मानकी मुंडा सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मानकी मुंडा संघ कोल्हान पोड़ाहाट अंचल समिति, आदिवासी हो समाज महासभा, अनुमंडल एवं प्रखंड समिति, आदिवासी भूमिज समाज, आदिवासी हो समाज युवा महासभा, सामाजिक संगठन के सदस्य उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता हो समाज महासभा के अनुमंडल अध्यक्ष श्रीराम सामड़ ने की। इस दौरान सर्व सहमति से 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर टोकलो मैदान में कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यक्रम को लेकर समिति का गठन करने, कार्यक्रम के संबंध में प्रचार प्रसार करने पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन करते हुए श्रीराम सामड़ को प्रभारी एवं बोंदरो सामड़ को सहायक प्रभारी बनाया गया।

CM ने किया 8 नये ग्रिड सबस्टेशनों का उद्घाटन

650 करोड़ लागत, राज्य के 2.2 लाख लोगों को होगा फायदा

PHOTON NEWS ROURKELA : मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने गुरुवार को राज्य के 8 जिलों में 8 अतिरिक्त उच्च वोल्टेज ग्रिड सबस्टेशनों का उद्घाटन किया। अंगुल में मेरामुंडली, खुर्दा में कांटाबाद, कोरापुट में बोरीगुमा, झारसुगुड़ा में लखनपुर, सुंदरगढ़ में कुमारमुंडा, संबलपुर में बामरा, बरगढ़ में भटली और भद्रक में सबस्टेशन निर्मित हुए है। राज्य सरकार ने इन ग्रिड सबस्टेशनों के लिए 650 करोड़ रुपये का निवेश किया है और इससे राज्य के 2 लाख 20 हजार उपभोक्ताओं को फायदा होगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे जनता को गुणवत्तापूर्ण और निरंतर बिजली मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबको बिजली के लक्ष्य को हासिल करने में यह बड़ी सफलता है। हमारे राज्य में 16,300 सर्किट किमी लम्बा विद्युत नेटवर्क है । 193 एक्स्ट्रा हाई वोल्टेज ग्रिड सबस्टेशन भी निर्मित किये गये हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के शहरी क्षेत्र के 99 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्र के 97 प्रतिशत लोगों को अब बिजली मिल रही है।नीति आयोग की रिपोर्ट के आधार पर मुख्यमंत्री ने कहा कि 2015-16 से 2019-20 के बीच राज्य में 60 लाख से ज्यादा लोगों ने खुद को गरीबी से बाहर निकाला है। उन्होंने कहा कि इसमें गुणवत्तापूर्ण बिजली की बड़ी भूमिका है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि बिजली आधुनिक अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है।लोगों के जीवन स्तर में सुधार के लिए बिजली को बेहद जरूरी बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को लगातार बिजली उपलब्ध कराना सरकार का प्रमुख लक्ष्य है, और इसके लिए प्रयास किये जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य में 463 ग्रिड सबस्टेशन बनाये गये हैं, जबकि 100 और निमार्णाधीन हैं।इस अवसर पर मेरामुंडली में विधानसभा उपाध्यक्ष रजनीकांत सिंह, कांटाबाद में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अशोक पांडा, कुमारमुंडा में श्रम मंत्री सारदा प्रसाद नायक, बोरीगुमा में सांसद रमेशचंद्र माझी, लखनपुर में विधायक अलका उपस्थित थे। मोहंती, बामरा में विधायक किशोर चंद्र नायक और भटली में विधायक सुशांत सिंह ने कार्यक्रम में भाग लिया।

आदिवासी महिलाओं के साथ हुई अमानवीय घटना से पूरा देश शर्मसार : कांग्रेस

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फूंका प्रधानमंत्री व गृहमंत्री का पुतला

PHOTON NEWS CHAIBASA : जिला मुख्यालय शहीद पार्क चौक में गुरूवार को आदिवासी महिलाओं के साथ मणिपुर में हुई शर्मनाक घटना के खिलाफ जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं गृहमंत्री अमित शाह का पुतला दहन किया। इस कार्यक्रम के तहत जोरदार तरीके से आयोजित कर केंद्र सरकार के अमानवीय चेहरे का पदार्फाश किया गया।

पुतला दहन करते कांग्रेस कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

कांग्रेसियों ने कहा कि मणिपुर राज्य पिछले ढाई महीने से जातीय हिंसा की आग में जल रहा है। बावजूद देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्र सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। अब तक मणिपुर में चल रही जातीय हिंसा को रोकने में पूर्णतः नाकाम रही है। मणिपुर में भीड़ द्वारा आदिवासी महिलाओं को नंगा कर उनके शरीर के साथ दुर्व्यवहार करने का शर्मनाक वीडियो प्रकाश में आया है। इस वीडियो के वायरल होने के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाया उसके बाद प्रधानमंत्री ने अपनी चुप्पी तोडी। आदिवासी महिलाओं के साथ हुई इस अमानवीय घटना से आज पूरा देश शर्मसार है।

कार्यक्रम में कांग्रेस जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर दास, पूर्व विधायक देवेन्द्र नाथ चंपिया, बालेमा कुई, अनुप्रिया सोय, मिली बिरुवा, जनबी कुदादा, प्रीतम बांकिरा, राज कुमार रजक, रंजन बोयपाई, त्रिशानु राय, दीनबंधु बोयपाई, दिकु सावैयां, जितेन्द्र नाथ ओझा, कैरा बिरुवा, विश्वनाथ तामसोय, लक्ष्मण हासदा, राम सिंह सावैयां, ललित कर्ण, शंकर बिरुली, संजय रवि, जगदीश सुंडी, मुकेश कुमार, राहुल दास, गुरुचरण सोनकर, ईस्माईल सिंह दास, इम्तियाज खान, प्रदीप कुमार विश्वकर्मा, सन्नी संदीप देवगम, अशोक सुंडी, बिक्रम बिरुली, सन्नी पाट पिंगुवा, रूपेश पुरती, राजेन्द्र कच्छप, जहांगीर आलम, संतोष सिन्हा, मुकेश दास, राकेश कुमार सिंह, रूप सिंह बारी, मथुरा चंपिया, मासूम दास, गिरजा शंकर दास, जुम्बल सुंडी, राजू कारवा, सुशील कुमार दास, ब्रज मोहन देवगम आदि उपस्थित थे।

आजसू पार्टी ने प्रखंड कार्यालय के समक्ष किया धरना-प्रदर्शन, बीडीओ को सौंपा 8 सूत्री मांग पत्र

PHOTON NEWS CHAIBASA : आजसू पार्टी प्रखंड कमेटी की ओर से गुरूवार को कुमारडुंगी प्रखंड कार्यालय परिसर में विभिन्न मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्शन के बाद उपायुक्त के नाम बीडीओ को 8 सूत्री मांग पत्र सौंपा। जिसमें कहा गया है कि प्रखंड क्षेत्र में शिक्षा का हाल बहुत खराब है। यहां शिक्षकों की कमी के कारण पढ़ाई में बाधा उत्पन्न हो रही है।

धरना-प्रदर्शन करते आजसू पार्टी के कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

आजसू के लोगों ने प्रखंड के सभी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च विद्यालयों में शिक्षकों की बहाली करने की मांग की है। साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी काफी पिछड़ा है। कुमारडुंगी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में केवल तीन डॉक्टर हैं। कम से कम यहां पांच डॉक्टर लाया जाए। सामुदायिक केन्द्र में एक एम्बुलेंस है और एक की आवश्यकता है। यहां मनरेगा जैसे योजनाओं को हर गांव में सुचारू रूप से चलाया जाए।

वहीं यूनियन बैंक कुमारडुंगी शाखा में केवाईसी के नाम पर खाता धारकों को परेशान किया जा रहा है। यहां तैनात बैंक अधिकारी मनमानी ढंग से काम कर रहे है। जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। तांतनगर प्रखंड के उकुगुटू चौक से मझगांव के बेनीसागर चौक तक सड़क चौड़ीकरण का कार्य पूर्ण हुआ है। परंतु तैयतों को अब तक मुआवजा राशि प्राप्त नहीं हुआ है। इसे अविलंब दिलाया जाए। वहीं लैम्पस में किसानों द्वारा धान की बिक्री का मूल्य पिछले 6 महीनों से भुगतान नहीं हुआ है। इसका उचित मूल्य किसानों को अविलंब भुगतान किया जाए। इसके अलावा पानी, बिजली आदि को लेकर विभिन्न समस्याओं से अवगत कराते हुए निदान कराने की मांग की है। मौके पर मझगांव विधानसभा प्रभारी नंदलाल बिरूवा, जिला महासचिव चंद्रमोहन सिंकु, महेंद्र लागुरी, मनोज कुमार बिरूवा, लक्ष्मण बिरूवा, दीनू बोयपाई, श्याम हेस्सा, सत्यवान पान, गोविंदा पान, सिंगा बागे समेत अन्य शामिल थे।

सारंडा जंगल गई 4 महिलाओं को हाथियों ने दौड़ाया, बाल-बाल बची

PHOTON NEWS CHAIBASA : किरीबुरु शहर के गाड़ा हाटिंग की चार महिलाओं का सामना किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग किनारे स्थित वायरलेस टावर के बगल में जंगल में हाथियों से हुआ। हाथियों ने उन्हें मारने के लिए दौड़ाना शुरू कर दिया। लेकिन महिलाओं ने किसी तरह भाग कर अपनी जान बचाई।

सारंडा जंगल की प्रतीकात्मक फोटो।

महिलाओं ने बताया कि गुरूवार सुबह लगभग 6 बजे अपने खाने व बेचने के उद्देश्य से प्राकृतिक मशरुम खोजने के लिए महिलाएं जंगल में गई थी। इस समय हल्की बारिश के साथ-साथ घना कोहरा भी छाया हुआ था। सभी मशरुम खोजते-खोजते हाथी के काफी करीब पहुंच गई।

महिलाओं ने अपने से काफी करीब चार हाथी को देखा जो कुसुम पेड़ का पत्ता खा रहे थे। उसे देख चारों महिलाएं किसी तरह से जान बचाकर भागने में सफल रही।

उल्लेखनीय है कि हाथियों का बड़ा समूह किरीबुरु शहर से काफी करीब एवं किरीबुरु-बड़ाजामदा मुख्य मार्ग पर प्रतिदिन अपना डेरा जमाये हुए हैं। वे वहीं आस-पास ही घूमते रहते हैं। वन विभाग इन्हें भगाने का कोई प्रयास नहीं कर रहा है। हाथियों की मौजूदगी ने गरीब ग्रामीणों का रोजगार छीन लिया है। अनेक लोग बारिश के मौसम में जंगल से मशरूम, रुगड़ा आदि वनोत्पाद की खोज अथवा चुनकर अपनी जीविका चलाते हैं जो प्रभावित हो रहा है। इससे लोगों में निरंतर आक्रोश बढ़ रहा है।

बता दें कि सारंडा वन प्रमंडल एवं उसके अन्तर्गत आने वाले विभिन्न रेंज कार्यालय डीएफओ एवं रेंजर विहिन है। सारंडा वन प्रमंडल पोड़ाहाट के डीएफओ आलोक वर्मा प्रभार में है। किरीबुरु के प्रभारी रेंजर शंकर भगत हैं। वे भी 5-6 रेंज के प्रभार में हैं। हमेशा चाईबासा में रहते हैं। ऐसी स्थिति में एशिया का सबसे बड़ा सारंडा जंगल एवं जंगल के हाथियों से आम जनता को कौन बचायेगा। वन विभाग की गतिविधियां सारंडा के किसी भी क्षेत्रों में देखने को नहीं मिल रही है।

बिरसा मुंडा सारंडा विकास समिति का गठन, लागुडा देवगम बने अध्यक्ष

PHOTON NEWS CHAIBASA : छोटानागरा स्थित नया बाजार प्रांगण में सारंडा पीढ़ के मानकी लागुड़ा देवगम की अध्यक्षता में एक बैठक हुई। इसमें छोटानागरा, गंगदा, दीघा एवं बुंडू पंचायत के मुंडाओं, बुद्धिजीवी ग्रामीणों एवं शिक्षित बेरोजगार युवक शामिल हुए।

लागुडा देवगम के अध्यक्ष बनने के बाद खुशी जताते समिति के लोग। ● फोटोन न्यूज

बैठक में सर्व सम्मति से बिरसा मुंडा सारंडा विकास समिति का गठन किया गया। इस नयी समिति के अध्यक्ष लागुड़ा देवगम, सचिव रामो सिद्धू, उपाध्यक्ष राजेश पूर्ति, उप सचिव बागी चाम्पिया एवं कोषाध्यक्ष बिनोद बारीक को सर्वसम्मति से बनाया गया। इसके अलावे विभिन्न गांवों के मुंडा व ग्रामीणों को कार्यसमिति में शामिल किया गया है।

नयी समिति के गठन के बाबत मानकी लागुड़ा देवगम ने बताया कि समिति सामाजिक, ग्रामीण विकास आदि अनेक कार्य में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। सांसद गीता कोड़ा ने बीते दिनों छोटानागरा क्षेत्र की मरीजों के लिये एक एम्बुलेंस देने की बात कही है। उक्त एम्बुलेंस ग्राम समिति को दी जाएगी। इसके लिए समिति का गठन किया गया है, ताकि समिति की देखरेख में वह एम्बुलेंस मरीजों की जान बचाने में अहम योगदान दे सके। इसके अलावे यह समिति सारंडा के शिक्षित बेरोजगारों को सेल, टाटा स्टील समेत विभिन्न खदानों में नौकरी दिलाने के लिए आंदोलन व लड़ाई लडेगी।

इस दौरान लागुडा देवगम, मुंडा बिनोद बारीक, मुंडा कानु राम देवगम, पंसस रामेश्वर चांपिया, गोनो चाम्पिया, राजेश सांडिल, लेबेया सिद्धू, मंगु चाम्पिया, कामेश्वर माझी, सोमा चाम्पिया, बागी चाम्पिया राजेश पूर्ति, दारा सिंह चाम्पिया आदि दर्जनों लोग शामिल थे।

बादामपहाड़ से राउरकेला तक मेमू ट्रेन चलाने की मांग

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : बादामपहाड़ से राउरकेला तक मेमू ट्रेन चलाने की मांग को लेकर गुरुवार को ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ के एक प्रतिनिधिमंडल ने महासचिव कृष्ण प्रसाद के नेतृत्व में दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार मिश्रा को एक मांग पत्र सौंपा। इसमें बादामपहाड़ से टाटा होते हुए राउरकेला तक एक मेमू ट्रेन चलाने की मांग की गई है। कृष्ण प्रसाद ने महाप्रबंधक को बताया कि चक्रधरपुर रेलवे मंडल लादान के क्षेत्र में एक सर्वाधिक आय प्रदान करने वाला मंडल है। टाटा एवं राउरकेला स्टील सिटी के बीच रेलवे कर्मचारियों एवं यात्रियों के आवागमन की पुरानी मांग को ध्यान में रखते हुए इसे अविलंब पूरा करने का आग्रह किया। साथ ही दक्षिण पूर्व रेलवे के सभी रेलवे मंडलों में संरक्षा वर्ग के ग्रुप डी कर्मचारियों के प्रशिक्षण में गुणात्मक बढ़ोतरी करने एवं प्रशिक्षण केंद्रों में सुविधा बढ़ाने की मांग की।

जीएम अनिल कुमार मिश्रा को मांगपत्र सौंपता प्रतिनिधि मंडल। ● फोटोन न्यूज

प्रतिनिधिमंडल में यह थे शामिल

इस अवसर पर ओबीसी रेलवे कर्मचारी संघ दक्षिण पूर्व रेलवे के क्षेत्रीय अध्यक्ष सरोज कुमार आद्रा मंडल के सचिव राजेश्वर, जोनल ऑडिटर अर्जुन साहू , सहायक महासचिव धर्मेंद्र कुमार, उपाध्यक्ष मुद्रिका प्रसाद, खड़गपुर मंडल के मंडल सचिव गणेश प्रसाद, खड़कपुर वर्कशॉप के सचिव श्रीनिवास राव, अध्यक्ष एम वेणुगोपाल, चक्रधरपुर शाखा सचिव बानेश्वर महतो, खड़कपुर वर्कशॉप के ट्रेजर एस रमना, ऑडिटर पी सत्यनारायण मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर 9 अगस्त को टोकलो मैदान में होगा कार्यक्रम

PHOTON NEWS CHAKRADHARPUR : आगामी 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर टोकलो मैदान में कार्यक्रम आयोजित की जाएगी। इसे लेकर गुरुवार को चक्रधरपुर के मानकी मुंडा सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में मानकी मुंडा संघ कोल्हान पोड़ाहाट अंचल समिति, आदिवासी हो समाज महासभा, अनुमंडल एवं प्रखंड समिति, आदिवासी भूमिज समाज, आदिवासी हो समाज युवा महासभा, सामाजिक संगठन के सदस्य उपस्थित हुए। बैठक की अध्यक्षता हो समाज महासभा के अनुमंडल अध्यक्ष श्रीराम सामड़ ने की। इस दौरान सर्व सहमति से 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस पर टोकलो मैदान में कार्यक्रम का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यक्रम को लेकर समिति का गठन करने, कार्यक्रम के संबंध में प्रचार प्रसार करने पर चर्चा की गई। सर्वसम्मति से आयोजन समिति का गठन करते हुए श्रीराम सामड़ को प्रभारी एवं बोंदरो सामड़ को सहायक प्रभारी बनाया गया।

पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल व ग्रामीणों ने किया वृक्षारोपण

अपने या बच्चों के जन्मदिन पर एक पौधा घर के पास जरूर लगाएं : RAKESH CHANDAN

PHOTON NEWS CHAIBASA : केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई गुवा अयस्क खान के सुरक्षाबलों एवं स्थानीय ग्रामीणों ने गुरुवार को डीएवी स्कूल से योग नगर जाने वाले सड़क के दोनों किनारे व शिव मंदिर प्रांगण में कुल 1500 पौधे का पौधारोपण किया।

पौधारोपण करते केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल इकाई के लोग। ● फोटोन न्यूज

मौके पर उप कमांडेंट राकेश चंदन ने सुरक्षा बल के जवानों को संदेश देते हुए कहा कि पेड़-पौधे वातावरण के लिए अति आवश्यक है। सभी सुरक्षा बल के जवानों ने अपने आवास के सामने पौधरोपण किया तथा संकल्प लिया कि सभी अपने-अपने पौधे का संरक्षण करेंगे। साथ ही मौके पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के उप कमांडेंट राकेश चंदन ने कहा कि पर्यावरण को बचाए रखना हम सभी के लिए बहुत ही जरूरी है। क्योंकि इससे शुद्ध ऑक्सीजन हम सभी को मिलता है। बिना पर्यावरण के जीवन का सृष्टि संभव नहीं है। जिस तरह से पेड़ पौधों का दोहन हो रहा है इसे रोकना नितांत आवश्यक है। इसके लिए गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक करने की जरूरत है। तभी हम पेड़ पौधों को बचा पाएंगे। सभी लोग यह प्रण कर ले अपने जन्मदिन या बच्चों के जन्मदिन पर एक पौधा अपने घर के पास जरूर लगाएं।

मौके पर इंस्पेक्टर जीसी पाठक, कंपनी कमांडर इंस्पेक्टर एलके साहू, क्राइम इंचार्ज एसआई आरके चौधरी सहित केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद थे।

नामांकन के लिए सीयूईटी में शामिल विद्यार्थियों को मिलेगी पहली प्राथमिकता

PHOTON NEWS CHAIBASA : स्नातक सत्र 2023-27 में नामांकन के लिए सीयूईटी में शामिल विद्यार्थियों को पहली प्राथमिकता दी जाएगी। इसके बाद ही शेष रिक्त सीटों पर नन सीयूईटी वाले विद्यार्थियों की मेधा सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए कोल्हान विश्वविद्यालय ने सभी कॉलेजों के प्राचार्य व प्रभारी प्राचार्यों को मेधा सूची तैयार करने का दिशा निर्देश दिया है। विवि ने कहा है कि स्नातक सत्र 2023-27 में नामांकन के लिए मेधा सूची में चांसलर पोर्टल पर जिन विद्यार्थियों ने नामांकन के लिए आवेदन करते समय 18 जुलाई तक सीयूईटी का स्कोर डाला है।

वैसे सभी विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाय। शेष रिक्त सीटों पर नन-सीईयूटी वाले विद्यार्थियों का मेधा सूची पूर्व आरक्षण नियमावली की भांति तैयार करना सुनिश्चित करेंगे। बता दें कि स्नातक में नामांकन को लेकर कई कॉलेजों में आवश्यकता से अधिक आवेदन प्राप्त है। ऐसे में कुछ विद्यार्थियों मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि ऐसे कई कॉलेज भी जहां आवश्यकता से काफी कम आवेदन प्राप्त हुआ है। ऐसे में उन कॉलेजों में जरूरत के हिसाब से कुछ विद्यार्थियों को उनके नजदीकी कॉलेजों में नामांकन लेना पड़ सकता है। विवि प्रशासन की मानें तो विगत दो साल पूर्व करीब 35 हजार विद्यार्थियों ने अपना ऑनलाइन आवेदन किया था। इसमें से करीब 19 हजार विद्यार्थियों ने अपना नामांकन लिया था। हालांकि ऑनलाइन आवेदन के दौरान ऐसे कई विद्यार्थियों ने दो से लेकर 3 आवेदन जमा किया था। लेकिन इस वर्ष कुल 27619 विद्यार्थियों का ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ है।

इन कॉलेजों में आवश्यकता से अधिक आवेदन प्राप्त

घाटशिला कॉलेज घाटशिला-2947, टाटा कॉलेज चाईबासा-2892, ग्रेज्यूएट कॉलेज वूमेन जमशेदपुर-2034, एलबीएसएम कॉलेज जमशेदपुर-2500, एसबी कॉलेज चांडिल-1998, महिला कॉलेज चाईबासा-1429, जमशेदपुर को ऑपरेटिव कॉलेज-1760, जेएलएन कॉलेज चक्रधरपुर-1731, बहरागोड़ा कॉलेज बहरागोड़ा-1951

वेलकम 3 में अरशद के साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार, संजय दत्त

2007 में रिलीज हुई अक्षय कुमार, कटरीना कैफ, नाना पाटेकर और अनिल कपूर स्टारर फिल्म वेलकम बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। साल 2015 में वेलकम का सीक्वल रिलीज हुआ वेलकम बैक, जिसमें अक्षय कुमार की जगह एक्टर जॉन अब्राहम लीड रोल में नजर आए थे और अब फिल्म के तीसरे भाग को लेकर चर्चाओं का बाजार गरम है। बताया जा रहा है कि फिरोज नाडियाडवाला ने अपनी इस फ्रेंचाइजी के 3रे भाग पर काम करना शुरू कर दिया है। हाल ही प्रदर्शित हुई वेब सीरीज असुर-2 से चर्चाओं में आए अभिनेता अरशद वारसी ने अपने हाल ही में दिए अपने एक साक्षात्कार में बताया कि इस फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार और संजय दत्त भी लीड रोल निभाते नजर आएंगे। वेलकम 3 की स्केल, उसकी कोस्ट, उसका क्लाइमेक्स सब कुछ अनरियल सा लगता है। यह लाइफ से कहीं अधिक बड़ी थिएटेरिकल फिल्म है, जिसका मैं हिस्सा बनने वाला हूं। इस फिल्म में मैं, अक्षय कुमार, संजय दत्त, परेश रावल और भी बहुत सारे लोग होंगे। अरशद वारसी ने आगे कहा, सिनेमा का अब पूरा परिदृश्य बदल गया है। अब थिएटरों में रिलीज होने वाली सभी फिल्में सुपरहीरो फिल्में हैं। वह बहुत बड़ी और लारजर देन लाइफ होती हैं और यह विचित्र है। मैं खुद को उसी तरह देख रहा हूं। इन बड़ी फिल्मों में छोटा-मोटा काम करना मुझे पसंद नहीं है। मेरे लिए नौकरी में संतुष्ट होना सबसे महत्वपूर्ण है। ये ऐसी फिल्में हैं जो मुझे ढेर सारा पैसा देंगी। मुझे जो प्रस्ताव मिले हैं, वह मुझे कुछ खास पसंद नहीं आए। और अब जो मैं कर रहा हूं वह वेलकम-3 है। अरशद वारसी इन दिनों अपनी वेबसीरीज असुर 2 को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। अरशद वारसी, अनुप्रिया गोयनका, रिद्धि डोगरा और वरुण सोबती स्टारर यह फिल्म 1 जून को जियो सिनेमा पर रिलीज हुई थी। इस सीरीज में अरशद वारसी एक पुलिस अफसर की भूमिका में नजर आ रहे हैं। यह सीरीज दर्शकों को काफी पसंद आई है और इसमें अरशद वारसी के किरदार की काफी सराहना भी हुई है।

दो दशकों के बाद एक फिल्म में फिर साथ आएंगे शरमन व साहिल

एक्टर शरमन जोशी और साहिल खान अपनी फिल्मों स्टाइल और एक्सक्यूज मी के दो दशक बाद एक बार फिर साथ काम करने वाले हैं। उनका नया प्रोजेक्ट शुरू होने के लिए पूरी तरह तैयार है। अबू धाबी में बड़े पैमाने पर शूट की जाने वाली इस फिल्म में चार ट्रैक होंगे जो चार्टबस्टर लिस्ट में टॉप पर पहुंचने और सभी रिकॉर्ड तोड़ने में आगे रहेंगे। शरमन ने कहा, फिल्म पूरी तरह से तैयार है, मैं बिल्कुल उत्साहित हूं। साहिल और मैंने पहले जो फिल्में कीं, उनमें स्क्रीन पर हमारे बीच की केमिस्ट्री को काफी सराहना मिली। यह हमारी पहली व्यावसायिक हिट थी जिसे राजू हिरानी सर ने भी देखा था, जिन्होंने फिर मुझे 3 इडियट्स के लिए साइन किया। साहिल ने साझा किया, लेखक और निर्देशक सैम खान और मैं एक-दूसरे को लंबे समय से जानते हैं और उनके निर्देशन में काम करने को लेकर मैं बेहद खुश हूं। साथ ही, यह फिल्म मुझे और शरमन को एक बार फिर साथ लाती है। वह एक शानदार अभिनेता और साथ काम करने के लिए एक अद्भुत इंसान हैं। डायलॉग्स और कहानी लिखने वाले लेखक मिलाप जावेरी ने कहा, फिल्म पूरी तरह से मनोरंजक होगी। इसमें दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखने वाली सभी बातें हैं। निर्माता हितेश खुशालानी ने कहा, शरमन और साहिल को एक फिल्म के लिए एक साथ वापस लाना हमारा उस सौहार्द को फिर से बनाने का प्रयास है जो उन्होंने एक बार स्क्रीन पर साझा किया था। शरमन की कॉमिक टाइमिंग बहुत अच्छी है और साहिल का सेंस ऑफ ह्यूमर नेचुरल है। ये दोनों दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोट-पोट कर देंगे। अभी तक बिना शीर्षक वाली फिल्म में सैम खान का निर्देशन और कहानी, मिलाप जावेरी की पटकथा और डायलॉग्स हैं। इसे व्हाइट लायन मोशन पिक्चर प्रोडक्शन, निर्माता हितेश खुशालानी द्वारा निर्मित किया गया है। भुवी खुशालानी, जफर मेहदी और ईशान दत्ता सह-निर्माता हैं।

आशिकी-3 में नजर आएंगे कार्तिक आर्यन?

कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई करने में कामयाब रही है। अब फैंस को बेसब्री से उनके अगले अनाउंसमेंट का इंतजार है और इसी बीच कार्तिक की यह पोस्ट चर्चा में है।

बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन की फिल्म सत्यप्रेम की कथा बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ का आंकड़ा छूने में कामयाब रही है। अब दर्शकों को इंतजार है उनके अगले अनाउंसमेंट का, और इसी बीच कार्तिक आर्यन ने सोशल मीडिया पर एक ऐसी पोस्ट कर दी है जिसके बाद उनके फैंस के बीच हलचल मच गई है। कार्तिक आर्यन ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक फोटो पोस्ट करते हुए लिखा- अपनी अगली रोमांटिक फिल्म की राह देख रहा हूं। कोई है?

कार्तिक आर्यन को फैंस ने दिया बड़ा हिंट?

फोटो में कार्तिक आर्यन ब्लैक शर्ट पहनकर इंटेन्स लुक देते नजर आ रहे हैं। कार्तिक आर्यन की इस पोस्ट के बाद ज्यादातर फैंस यह कयास लगाते नजर आए कि च्च सुपरहिट फिल्म आशिकी के पार्ट-3 में नजर आने वाले हैं। एक यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 प्लीज कार्तिक। दूसरे यूजर ने कमेंट किया- आशिकी 3 है ना। एक यूजर ने लिखा- कार्तिक आर्यन की तरह इस काम को कोई नहीं कर सकता।

अलग जॉनर की फिल्में आजमा रहे कार्तिक

बता दें कि कार्तिक आर्यन ने लंबे वक्त तक रॉमकॉम मूवीज करने के बाद अब अलग तरह के जॉनर भी ट्राय करना शुरू किया है। उदाहरण के लिए वह भूल भुलैया जैसी हॉरर कॉमेडी फिल्म और शहजादा जैसी फैमिली एक्शन एंटरटेनर फिल्म में भी काम करते नजर आ चुके हैं। वहीं हाल ही में रिलीज हुई उनकी फिल्म सत्यप्रेम की कथा भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई करने में कामयाब रही है। फिल्म ने हाल ही में 100 करोड़ क्लब में भी अपनी जगह बनाई है।

सलमान खान ने फर्जी कास्टिंग कॉल करने वालों को दी चेतावनी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने सोमवार को कड़ी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि न तो वह और न ही उनका प्रोडक्शन बैनर सलमान खान फिल्म्स फिल्मों में कास्टिंग के लिए किसी तीसरे पक्ष से जुड़े हैं। सलमान खान ने अपने इंस्टाग्राम पर चेतावनी देते हुए कहा कि धोखाधड़ी के उद्देश्यों के लिए उनकी कंपनी के नाम का इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सुपरस्टार ने इस चेतावनी को आधिकारिक सूचना का कैप्शन दिया। इस पोस्ट के नोटिस में लिखा गया कि यह स्पष्ट करना है कि न तो सलमान खान और न ही सलमान खान फिल्म्स वर्तमान में किसी भी फिल्म के लिए कास्टिंग कर रहे हैं। हमने अपनी किसी भी फिल्म के लिए किसी कास्टिंग एजेंट को काम पर नहीं रखा है। सलमान ने आगे कहा कि इस उद्देश्य के लिए किसी भी ईमेल या संदेश पर भरोसा न करें। यदि कोई भी खान या एसकेएफ के नाम का गलत इस्तेमाल करते हुए पाया गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अर्चना गौतम ले रही इंग्लिश की ट्यूशन

बिग बॉस 16 से घर-घर में मशहूर हुई अर्चना गौतम ने कहा है कि वह फिलहाल खुद पर ध्यान दे रही हैं, इंग्लिश की ट्यूशन ले रही हैं, किताबें पढ़ रही हैं और नया लुक अपना रही हैं। अर्चना गौतम बिग बॉस 16 की सबसे मजबूत कंटेस्टेंट्स में से एक बनकर उभरीं और अब उनके फैंस खतरों के खिलाड़ी सीजन 13 में उन्हें खतरनाक स्टंट करते हुए देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 के पहले एपिसोड की स्पेशल स्क्रीनिंग में सभी कंटेस्टेंट एक साथ नजर आए। अर्चना ने अपने अनुभव और भी बहुत कुछ के बारे में बताया। अर्चना, जो इन दिनों बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं, ने कहा, मुझे लगता है कि जब कोई व्यक्ति किसी चीज में कदम रखता है, तो उसे हमेशा बढ़ना चाहिए। इसलिए वर्तमान में, मैं बढ़ रही हूं। मैं इंग्लिश ट्यूशन ले रही हूं, किताबें पढ़ रही हूं, खुद को क्लासी दिखाने के लिए नया लुक अपना रही हूं। मैं अब एक बेहतर एक्ट्रेस बनना चाहती हूं। उन्होंने कहा, चूंकि शो की शूटिंग केपटाउन में है, विदेशी क्रू केवल इंग्लिश में बातचीत कर रहा है, जिससे मुझे कई समस्याओं का सामना करना पड़ा। इसलिए मुझे एहसास हुआ कि अगर आप विदेश यात्रा कर रहे हैं तो अंग्रेजी जरूरी है। शूटिंग के दौरान बनाए गए दोस्तों के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं ऐश्वर्या और नायरा के सबसे करीब हो गई। लोग हमें त्रिमूर्ति कहते थे। शो में मैंने कई अच्छे दोस्त बनाए हैं। ऐसी चर्चा है कि वह शो की फाइनलिस्ट में से हैं। उन्होंने कहा, इसके लिए सभी को एपिसोड देखना होगा। लेकिन हां, मैं कहूंगी कि मेरे फैन बिल्कुल भी निराश नहीं होंगे। मैंने अपने सभी स्टंट बहुत अच्छे से किए हैं। खतरों के खिलाड़ी 13 कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है।

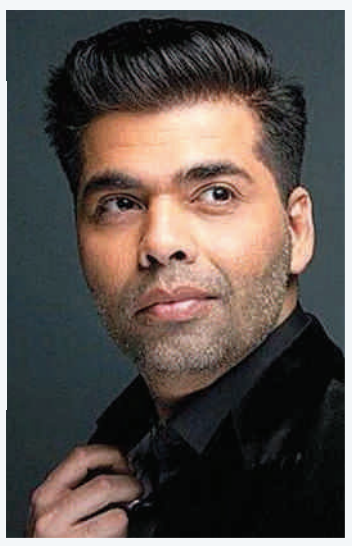

मेरी क्रिसमस और योद्धा की रिलीज डेट के टकराव पर भड़के करण

फिल्म निर्माता करण जौहर ने एक फिल्म की रिलीज को लेकर निर्माताओं और स्टूडियो की आलोचना की है। करण जौहर ने कहा, बिना किसी फोन कॉल के फिल्म की रिलीज डेट तय कर दी गई। करण जौहर का यह बयान कैटरीना कैफ और विजय सेतुपति की आगामी फिल्म मेरी क्रिसमस की रिलीज की तारीख की घोषणा के बाद आया। मेरी क्रिसमस 15 दिसंबर को रिलीज होगी। करण ने अपने थ्रेड्स अकाउंट पर लिखा, बिना कोई फोन कॉल किए एक डेट रखना सही नहीं है।अगर हम इन कठिन और चुनौतीपूर्ण दिनों में एकजुट नहीं खड़े हैं तो हमें एक बिरादरी कहना व्यर्थ है। ऐसा लगता है कि करण ने श्रीराम राघवन और रमेश तौरानी का जिक्र किया, जो मैरी क्रिसमस के सह-निर्माता हैं। योद्धा में सिद्धार्थ मल्होत्रा, दिशा पटानी और राशि खन्ना हैं, जबकि मेरी क्रिसमस श्रीराम राघवन द्वारा निर्देशित एक डार्क कॉमेडी थ्रिलर है।

अंगद स्प्रिंट टूर्नामेंट में करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

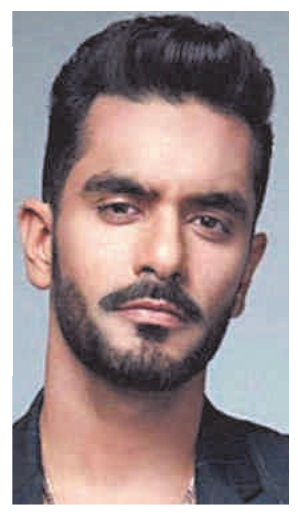

अभिनेता अंगद बेदी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर दौड़ में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लक्ष्य के साथ स्प्रिंटिंग (दौड़) में पेशेवर करियर बनाने का एक असाधारण निर्णय लिया है। मुंबई में अपने पहले 400 मीटर स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल जीतने की उल्लेखनीय उपलब्धि के बाद, अंगद ने खेल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और गर्व से अपने देश का प्रतिनिधित्व करने पर ध्यान केंद्रित किया है। अंगद बेदी का खेलकूद के प्रति जुनून और उनकी असाधारण खेलकूद क्षमता उनके पूरे करियर में स्पष्ट रही है। जबकि उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेता के रूप में स्थापित किया है, अंगद ने हमेशा खेल के प्रति गहरा प्रेम रखा है, और 400 मीटर दौड़ में उनकी हालिया सफलता ने उन्हें इस उल्लेखनीय यात्रा पर निकलने के लिए प्रेरित किया है। अपने नए खेलकूद प्रयास में उत्कृष्टता प्राप्त करने के दृढ़ संकल्प के साथ, अंगद अपने कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन में कठोर और कड़ी ट्रैनिंग से गुज़र रहे हैं। कोच मिरांडा, जो खुद एक अनुभवी एथलीट हैं, ने 2016 में वर्ल्ड मास्टर्स गेम्स में 5वीं रैंक हासिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। ??कोच मिरांडा के साथ अंगद का जुड़ाव यह सुनिश्चित करता है कि उन्हें अपने कौशल को निखारने और अपने प्रदर्शन को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाने के लिए टॉप स्तर का प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। स्प्रिंटिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अंगद बेदी ने कहा, अगले साल 400 मीटर दौड़ में अपने देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर पाकर मैं सम्मानित और रोमांचित महसूस कर रहा हूं। पहले मेरा लक्ष्य दिसंबर में महाराष्ट्र राज्य और फिर नेशनल है। सिल्वर मेडल मेरे पहले स्प्रिंटिंग टूर्नामेंट ने इस खेल को पेशेवर स्तर पर आगे बढ़ाने के मेरे दृढ़ संकल्प को प्रेरित किया है। अपने सम्मानित कोच ब्रिंस्टन मिरांडा के मार्गदर्शन के साथ, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अपने देश को गौरवान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मैं समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हूं। इस अविश्वसनीय यात्रा के दौरान मुझे अपने परिवार, दोस्तों और प्रशंसकों से आशीर्वाद मिला है। जैसे-जैसे अंगद बेदी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हो रहे हैं, वह कड़ी ट्रैनिंग, अपनी तकनीक में सुधार और अपनी गति में सुधार करना जारी रखेंगे।

इस शाहरुख की अपकमिंग फिल्म जवान को लेकर भी अभी से कयास लगने शुरू हो गए हैं कि यह फिल्म भी रिकॉर्डतोड़ कमाई करेगी। इसी बीच सोशल मीडिया पर काजोल का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें एक्ट्रेस पठान के कलेक्शन के बारे में बात कर रही हैं।

झूठे थे पठान की कमाई के आंकड़े : काजोल

हाल ही में केआरके ने अपने ट्विटर पर काजोल के इंटरव्यू का एक वीडियो क्लिप शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस पठान के बारे में बात कर रही हैं। बता दें कि जब काजोल से शाहरुख खान को लेकर एक सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि शाहरुख खान से क्या पूंछू सोशल मीडिया पर। इसके बाद एक्ट्रेस सवाल करती हैं कि पठान ने रियल में कितनी कमाई की है? इसके बाद वह हंसने लगती हैं। काजोल की इस वीडियो को शेयर करते हुए कमाल आर खान ने कैप्शन में लिखा कि काजोल पठान के बिजनेस का मजाक बना रही हैं। इसका मतलब है कि अजय इनसे घर पर शाहरुख के फर्जी कलेक्शन के बारे में बात करते होंगे। यह बॉलीवुड का असली चेहरा है। इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर लोग जमकर इसपर अपना रिएक्शन दे रहे हैं। ऐसे में कुछ लोग शाहरुख खान को सपोर्ट कर रहे हैं, तो कुछ केआरके को भी सही बता रहे हैं। बता दें कि शाहरुख खान की पठान 25 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। शाहरुख खान के साथ इस फिल्म में दीपिका पादुकोण और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस एक्शन पैक फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1000 करोड़ से अधिक की कमाई की। वहीं फैंस एक्टर की अपकमिंग फिल्म जवान का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।